

शुक्ला मल्ती
स्पेशलिटी हॉस्पिटल

- डायलिसिस सुविधा उपलब्ध
- प्रोस्टेट एवं पथरी का इलाज दूरबिन पद्धति द्वारा
- आयुष्मान कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज

बसंतपुर, राजनांदगांव (छ.ग.) मो.नं.- 9301033013

आंध्रप्रदेश में बारिश का कहर, सात लोगों की मौत; गुजरात में बाढ़ से जनजीवन अस्त-व्यस्त

नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम से लेकर मध्य और दक्षिण भारत में बारिश का कहर जारी है। आंध्र प्रदेश में बारिश से जुड़ी घटनाओं में कुल सात लोगों की मौत हो गई है, इसमें विजयवाड़ा में भूस्खलन के कारण चार लोगों की मौत भी शामिल है। जानकारी के मुताबिक भूस्खलन की घटना विजयवाड़ा के मंगलराजपुरम इलाके में हुई है, जहां भारी बारिश के कारण एक घर पर बड़ा पथर गिर गया। वहीं इस हदसे पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शोक जताते हुए भूस्खलन में मारे गए लोगों के परिजनों को 5-लाख रुपये अनुग्रह राशि देने का एलान किया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे भूस्खलन की आशंका वाले स्थानों से लोगों को दूर ले जाएं, क्योंकि अगले दो से तीन दिनों तक भारी बारिश का अनुमान है।



गई। हालांकि नाला बहुत बड़ा नहीं था, लेकिन हल्की कार होने के कारण हादसा हो गया। उन्होंने कहा कि पुलिस तीनों शवों को खोजने में सफल रही। अधिकारियों ने बताया कि पिछले 24 घंटों में विजयवाड़ा समेत आंध्र प्रदेश के कई स्थानों पर लगातार बारिश हुई।

जामनगर में बाढ़, प्रशासन ने चलाया सफाई अभियान

गुजरात में भारी बारिश के कारण कई जिलों में आम

हिमाचल में भूस्खलन से 72 सड़कें बंद

हिमाचल प्रदेश में मूसलाधार बारिश की वजह से जगह-जगह भूस्खलन होने से 72 सड़कें बंद हैं। शिमला में अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन की वजह से राज्य में 72 सड़कों को यातायात के लिए बंद करना पड़ा है। मलबा हटाने का काम तेजी से चल रहा है। लेकिन मौसम खराब होने से बाधा आ रही है। 10 बिजली और 32 जल आपूर्ति की परियोजनाएं भी ठप पड़ी हैं। मौसम विभाग ने 2 सितंबर तक राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों में भारी से लेकर बहुत भारी बारिश होने की संभावना जताई है और यलो अलर्ट जारी किया है। इस दौरान तेज गर्ज के साथ हवाएं भी चल सकती हैं।

जनजीवन अस्त-व्यस्त है, वहीं राज्य के जामनगर जिले में बाढ़ की स्थिति में सुधार होने के बाद स्थानीय प्रशासन ने बाढ़-सफाई अभियान शुरू कर दिया है। वहीं अकेले जामनगर से पिछले दो-तीन दिनों में बाढ़ग्रस्त इलाकों में फंसे 15,000-20,000 हजार से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

पीएम मोदी ने 3 नई वंदे भारत ट्रेनों को दिखाई हरी झंडी, बोले- ये आधुनिक भारतीय रेलवे का है नया चेहरा



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 3 नई वंदे भारत ट्रेन को वचुंअल रूप से हरी झंडी दिखाई है। ये तीनों नई वंदे भारत ट्रेनें कर्नाटक, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों को जोड़ेंगी। इनमें से पहली वंदे भारत ट्रेन चेन्नई सेंट्रल से नागरकोइल, दूसरी मद्रुरै से बंगलुरु कैंट और तीसरी मेरठ सिटी-लखनऊ तक जाएगी।

पीएम मोदी ने 3 नई वंदे भारत ट्रेनों को शुरुआत से जहां भी ये ट्रेनें चलती हैं, वहां के पर्यटन में उछाल आया है। इससे स्थानीय व्यवसायों को बढ़ावा मिला है और रोजगार के नए अवसर पैदा हुए हैं। मैं इस उपलब्धि के लिए नागरिकों को बधाई देता हूँ।

नई वंदेभारत ट्रेन ने पकड़ी रफ्तार
वहीं, कर्नाटक के मद्रुरै में वैगई नदी पर बने पुल से झोले द्वारा नई वंदे भारत ट्रेन को कैमरे में कैद किया गया है। जब ये मद्रुरै - बंगलुरु वंदे भारत ट्रेन वहां से गुजर रही थी। ये नई वंदे भारत ट्रेन भगवा रंग में दिखाई दे रही है।

यूपी और खासकर पश्चिमी यूपी के लोगों को मेरठ-लखनऊ रूट पर वंदे भारत ट्रेन के जरिए भी खुशखबरी मिली है। मेरठ और पश्चिमी यूपी क्रांति की धरती है। आज यह क्षेत्र विकास की नई क्रांति का गवाह बन रहा है। वंदे भारत आधुनिक भारतीय रेलवे का नया चेहरा है।

देशभर में चल रही 102 वंदे भारत ट्रेन
इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आज शहर में और हर रूट पर वंदे भारत की मांग है। हाई-स्पीड ट्रेनों के आने से लोगों को अपने कारोबार, रोजगार और अपने सपनों को विस्तार देने का भारोसा मिलता है। आज देशभर में 102 वंदे भारत रेल सेवाएं चल रही हैं। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

100 दिन के भीतर 3 करोड़ घरों को मंजूरी, 11 लाख नई लखपति दीदी बर्नी; पीएम मोदी ने गिनाई उपलब्धियां

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली में ईटी वलुंड लीडर्स फोरम को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि जब लोकसभा चुनाव के नतीजे आए थे तो मैंने कहा था कि तीसरे कार्यकाल में हमारी सरकार तीन गुना तेजी से काम करेगी। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि अब इरादे और मजबूत हैं और देश के हर नागरिक की तरह सरकार भी उम्मीद और विश्वास से भरी हुई है।

तीन करोड़ घरों को मंजूरी दी
पीएम मोदी ने कहा कि 100 दिन भी नहीं बीते हैं, हम भौतिक

बुनियादी ढांचे को आधुनिक बनाने में लगे हैं। हम सामाजिक बुनियादी ढांचे का विस्तार कर रहे हैं। हम लगातार सुधारों को आगे बढ़ा रहे हैं। पिछले तीन महीनों में हमने गरीबों, किसानों, युवाओं और महिलाओं के लिए एक के बाद एक बड़े फैसले लिए हैं। हमने गरीबों के लिए तीन करोड़ नए घरों को मंजूरी दी है। हमने एकिकृत पेंशन योजना की घोषणा की है।

100 से अधिक किस्मों के बीज जारी
पीएम मोदी ने कहा कि एक लाख करोड़ रुपये के कृषि ढांचे के विस्तार का फैसला किया। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

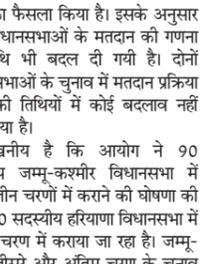
हरियाणा विस चुनाव में मतदान की तिथि एक अक्टूबर की जगह पांच अक्टूबर: नतीजे 8 अक्टूबर को



नयी दिल्ली। चुनाव आयोग ने हरियाणा में असोज अमावस्या त्योहार पर स्थानीय लोगों के बड़े पैमाने पर भ्रमण के मद्देनजर राज्य विधानसभा चुनाव में मतदान की तिथि एक अक्टूबर के स्थान पर पांच अक्टूबर को करने की शनिवार को घोषणा की। इसके साथ ही जम्मू-कश्मीर और हरियाणा विधानसभा के चुनावों की मतगणना की तिथि भी चार अक्टूबर से बढ़ाकर आठ अक्टूबर कर दी गयी है। आयोग ने कहा है कि अब दोनों विधानसभाओं के चुनाव की प्रक्रिया 10 अक्टूबर तक पूरी करा ली गयी जायेगी जबकि आयोग ने 16 अगस्त को जारी चुनाव कार्यक्रम में छह अक्टूबर तक संपन्न करने की घोषणा की थी।

आयोग ने यहां जारी एक प्रेस विज्ञापन में कहा है कि उसे विभिन्न राष्ट्रीय राजनीतिक दलों, हरियाणा के राजनीतिक दलों और अखिल भारतीय विरसोई महासभा की ओर से कई ज्ञापन मिले थे, जिसमें मतदान की तिथि बदलने का आग्रह किया गया था। विज्ञापनों में

भारत में फास्टेग सिस्टम होगा खत्म! सरकार नए जमाने की टोल कलेक्शन तकनीक 'GNSS' करेगी लागू



नई दिल्ली। भारत में ऑटो उद्योग काफी फल-फूल रहा है। इसके साथ ही सड़क पर गाड़ियों की संख्या बढ़ रही। जिसके साथ ही टोल कलेक्शन में भी इजाफा हो रहा है। हालांकि अब ऐसा लग रहा है कि टोल संग्रह का यह पारंपरिक तरीका खत्म होने वाला है। क्योंकि सरकार ग्लोबल नेविगेशन सैटेलाइट सिस्टम नाम के एक नई युग की टेक्नोलॉजी के जरिए टोल वसूलने के तरीके को बदलने के लिए तैयार हो रही है।

एडवांस्ड टोल कलेक्शन सिस्टम का एलान केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी पहले ही कर चुके हैं। इस समय इसकी टेस्टिंग जारी है। और जल्द ही भारत में पुराने तरीके से होने वाले टोल संग्रह प्रणाली को खत्म किया जा सकता है।

GNSS कैसे काम करता है
फास्टेग से उलट, भविष्य का तहसलूक नैविगेशन सैटेलाइट सिस्टम पर आधारित होगा। यह एक सैटेलाइट-आधारित यूनिट के साथ आएगा, जो वाहनों में स्थापित किया जाएगा। यह संबंधित अधिकारियों को टोल हार्डवे का इस्तेमाल करना शुरू करने पर कारों को ट्रैक करने की अनुमति देगा। जब वाहन टोल वाली सड़क से बाहर निकलता है, तो सिस्टम टोल सड़क के वास्तविक उपयोग की गणना करेगा। और ऑटोमैटिक तरीके से एक सटीक राशि काट लेगा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि यात्री सिर्फ टोल हार्डवे पर तय की गई दूरी के लिए ही भुगतान करें।

पीएम बोले- महिला सुरक्षा के लिए कठोर कानून मौजूद : जिला अदालतों की कॉन्फ्रेंस में कहा- फैसले जितनी जल्दी आएंगे, भरोसा उतना ज्यादा बढ़ेगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट के 75 वर्ष पूरे होने पर पीएम मोदी शनिवार को जजों के अखिल भारतीय सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराध देश में गंभीर चिंता का विषय बन गया है। उन्होंने जिला न्यायालय के न्यायाधीशों से अपील की कि वे इन मामलों का शीघ्र निपटारा करें, ताकि विशेष रूप से महिलाओं और पूरे समाज में सुरक्षा की भावना पैदा हो सके।

सुप्रीम कोर्ट एक संस्था नहीं, एक यात्रा है
सुप्रीम कोर्ट के 75 वर्ष पूरे होने

बढ़ाते हैं। आजादी के अमृतकाल में 140 करोड़ देशवासियों का एक ही सपना है विकसित भारत, नया भारत बनने का।

भारतीय न्याय संहिता के रूप में हमें नया भारतीय न्याय विधान मिला
नया भारत, यानी सोच और संकल्प से एक आधुनिक भारत। हमारी न्यायपालिका इस विजन का एक मजबूत स्तम्भ है। भारतीय न्याय संहिता के रूप में हमें नया भारतीय न्याय विधान मिला है। इन कानूनों की भावना है- (नागरिक पहले, सम्मान पहले और न्याय पहले) है। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

देखो अपना देश अभियान में हिस्सा लें और छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों को बनाएं राष्ट्रीय धरोहर, साय सरकार ने की अपील



रायपुर। अगर आप अपने छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थल को राष्ट्रीय धरोहर में शामिल करना चाहते हैं तो आपके पास बहुत अच्छा मौका है। इसके लिए आपको पर्यटन मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे देखो अपना देश अभियान में हिस्सा लेना होगा। इस अभियान में हिस्सा लेकर आप अपने पसंद के पर्यटन स्थल को ज्यादा से ज्यादा वोट देकर राष्ट्रीय धरोहर बना सकते हैं। साथ ही प्रदेश के अद्वितीय और खूबसूरत स्थलों को इस राष्ट्रीय मंच पर प्रदर्शित करने का यह एक सुनहरा अवसर है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा, छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक सौंदर्य, समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर और ऐतिहासिक स्थलों को पूरे देश में

‘काश में वंदे भारत से यूक्रेन जा पाता’, जयशंकर ने बताया चीन के साथ क्या है समस्या? कहा- यूरोप और अमेरिका भी कर रहे बहस

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को कहा कि भारत के सामने चीन को लेकर एक विशेष समस्या है, जो दुनिया की चीन संबंधी सामान्य समस्या से अलग है। चीन के साथ संबंधों एवं सीमा पर स्थिति को देखते हुए वहां से होने वाले निवेश की समीक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन देशों की सीमा चीन से नहीं लगती, वे भी चीन से होने वाले निवेश की जांच कर रहे हैं। एक समाचार पत्र द्वारा आयोजित वलुंड लीडर्स फोरम में उन्होंने कहा कि चीन कई मायनों में एक अनूठी समस्या है, क्योंकि वह एक अनूठी राजनीति है, वह एक अनेकों अर्थव्यवस्था है। जब तक कोई इस विशिष्टता को समझने की कोशिश नहीं करता, तब तक इससे निकाले जाने वाले निर्णय और नीतियां कदापि नहीं सफल रहेंगी।

यूरोप-अमेरिका में भी चीन को लेकर बहस
एस जयशंकर ने कहा, चीन को लेकर एक

देखते हैं और यदि आप इस बात को ध्यान में नहीं रखते कि यह एक बहुत ही अलग देश है और इसके काम करने का तरीका भी बहुत अलग है तो मुझे लगता है कि आपको बुनियादी बातें ही पटरी से उतरने लगती हैं। आप सभी जानते हैं कि पिछले चार साल से सीमा पर हमारी स्थिति बहुत कठिन है। मुझे लगता है कि ऐसी स्थिति में भारत जैसा देश जैसी सावधानियां बरत रहा है, वही समझदारी भरी प्रतिक्रिया है।

काश, वंदे भारत से यूक्रेन जा पाता
पीएम नरेंद्र मोदी की हाल ही में ट्रेन से यूक्रेन यात्रा को याद करते हुए विश्व मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि काश, मैं वंदे भारत ट्रेन से यह यात्रा कर पाता। उन्होंने कहा कि यह 10 घंटे लंबी यात्रा थी और उस स्थिति में यह एकमात्र विकल्प था। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री मोदी ने हाल ही में ट्रेन में बैठकर पोलैंड से यूक्रेन तक की यात्रा की थी। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

अशोका आई.टी.आई.
NCVT-DGET नई दिल्ली एवं छ.ग. शासन से मान्यता प्राप्त

प्रवेश प्रारंभ

कोपा (Computer)	स्टेनो
10 वीं पास	10 वीं पास
1 वर्षीय कोर्स	1 वर्षीय कोर्स
इलेक्ट्रीशियन	वायरमैन
10 वीं पास	8 वीं पास
2 वर्षीय कोर्स	2 वर्षीय कोर्स

अशोका डिग्री कॉलेज
B.A. | B.COM | PGDCA

8319493983, 7000629783, 8602502398

ग्राम - तोरनकट्टा, मनकी पेठेरा पंच के पास, जी.ई. रोड, पोस्ट - सोमनी, राजनांदगांव (छ.ग.)
ऑफिस: 99813-60623 | ashokaiti2019@gmail.com

डिप्टी सीएम साव को नहीं मिला अमेरिकी वीजा : चार दिन तक दिल्ली में करते रहे इंतजार, आखिर वापस

रायपुर। छत्तीसगढ़ के डिप्टी उनके विभागीय सचिव 26 सीएम और पीडब्ल्यूडी मंत्री अरुण साव और सचिव डॉ. कमलप्रति सिंह अमेरिका जाना चाहते थे। लेकिन 4 दिन दिल्ली में रुकने के बाद भी उन्हें वीजा नहीं और वे छत्तीसगढ़ लौट आए हैं। डिप्टी सीएम श्री साव शनिवार को बिलासपुर में आयोजित दीक्षांत समारोह शामिल होने पहुंचे। जहां वे हेलीपैड पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री की हेलीपैड अगुवानी करते नजर आए। उल्लेखनीय है कि, अमेरिका के दौरे के लिए डिप्टी सीएम और



उन्हें वीजा नहीं मिल पाया। ऐसे वे सभी लोग छत्तीसगढ़ लौट आए हैं। डिप्टी सीएम श्री साव और उनकी टीम एशियाई विकास बैंक ने अमेरिका दौरे का प्रस्ताव दिया था। इस यात्रा का राज्य की सड़क परियोजनाओं में अंतरराष्ट्रीय स्तर की तकनीकों और प्रथाओं को अपनाना है। (शेष पृष्ठ 6 पर...)

सामान्य समस्या है। हम दुनिया के एकमात्र देश नहीं हैं, जो चीन के बारे में बहस कर रहे हैं। यूरोप में जाइए और उनसे पूछिए कि आज उनकी प्रमुख आर्थिक या राष्ट्रीय सुरक्षा बहस क्या है। यह बहस चीन के बारे में है। अमेरिका को देखिए। उसे भी चीन के प्रति दिक्रत है और यह कई मायनों में सही भी है। इसलिए सच्चाई यह है कि भारत एकमात्र ऐसा देश नहीं है, जिसे चीन को लेकर समस्या है। उन्होंने कहा, जब हम चीन के साथ व्यापार, निवेश, विभिन्न प्रकार के आदान-प्रदान को

छत्तीसगढ़ में धूम मचाएगी धमाकेदार छत्तीसगढ़ी फिल्म 'तहीं मोर आंशिकी'

राजनांदगांव (दावा)। संस्कार धानी नगरी सहित पूरे प्रदेश भर में आगामी दिनों रिलीज होने वाली कर्मा प्रोडक्शन की छत्तीसगढ़ी फिल्म 'तहीं मोर आंशिकी' पूरी तरह बन कर तैयार है। कर्मा फिल्म प्रोडक्शन के बैनर तले बनीं उक्त धमाकेदार मोस्ट रोमांटिक एवं पारिवारिक फ़िल्म 'तहीं मोर आंशिकी' 6 सितंबर से रिलीज होने जा रही है।

इस छत्तीसगढ़ी फिल्म के संबंध में इससे जुड़े कलाकारों ने प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता आयोजित कर बताया कि इस फिल्म के डायरेक्टर छत्तीसगढ़ी व भोजपुरी सहित बालीवुड में अलग पहचान बनाने वाले व कई हिट फिल्म देने वाले अभिषेक सिंह हैं, वहीं प्रोड्यूसर गुलशन बघेल और शुभम गुप्ता हैं। हालांकि इन दोनों की यह पहली फिल्म है लेकिन उनकी बैंक-टू-बैंक 3 और फिल्मों बनने को तैयार है। फिल्म के मुख्य कलाकार लखित झांझी हैं जो छत्तीसगढ़ी व भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री के जाने माने फिल्म स्टार अपने पिता राजनीश झांझी के साथ इस फिल्म में नजर आएंगे। फिल्म के कहानी लेखक सुशील श्रीवास्तव हैं जिन्होंने कई छत्तीसगढ़ी और भोजपुरी फिल्म लिख चुके हैं।

कलाकारों ने फिल्म की कहानी के बारे में बताया कि यह फिल्म छत्तीसगढ़ की सबसे बड़ी रोमांटिक फिल्म होगी, जोकि आज तक पैदा पर देखने को नहीं

कर्मा प्रोडक्शन की मोस्ट रोमांटिक व पारिवारिक फिल्म प्रदर्शन के लिए तैयार



प्रेस वार्ता में रुबरु हुए फिल्म के कलाकार

मिली है। उन लोगों ने बताया कि अक्सर आज तक छत्तीसगढ़ में एक ही पैटर्न की फिल्में बनते आ रही हैं जिसे देख कर दर्शक भी बोर हो चुके हैं। लेकिन इस फिल्म में वैसा कुछ भी देखने को नहीं मिलेगा।

बताया गया है हालांकि यह फिल्म छत्तीसगढ़ी की है, लेकिन फील पूरा बालीवुड का देखने को मिलेगा, इस फिल्म में रोमांस के साथ फिल्म में एक्शन और कॉमेडी भी देखने को मिलेगी। इस फिल्म को छत्तीसगढ़ की बाकी फिल्मों से बिल्कुल अलग, और

एक नए अंदाज में दिखाया गया है। कलाकारों ने फिल्म के डीओपी कुणाल कदम को बताया है, जो कि मुंबई से है, जिन्होंने बालीवुड की वेव सिरीज और बड़े-बड़े शोज किये हैं। फिल्म के ट्रेलर में इसकी सिनेमेटोग्राफी बखूबी नजर आ रही है, जो फिल्म को एक अलग लेवल का बनाती है।

साउथ की हिटोड

फिल्म की हीरोइन एल्शा घोष है जो साउथ के

साथ-साथ छत्तीसगढ़ में भी अपनी दमदार अदाकारी से एक अलग पहचान बना चुकी व एक से एक छत्तीसगढ़ी की हिट फिल्मों अपने नाम कर चुकी है। सपोर्टिंग कलाकारों में रजनीश झांझी, उपासना वैष्णव, मनीषा वर्मा, विवेक चंद्रा, पप्पू चंद्राकर जीत शर्मा, जैसे दिग्गज कलाकार देखने को मिलेंगे।

6 सितंबर को होगी रिलीज

फिल्म के प्रोड्यूसर गुलशन बघेल वह शुभम गुप्ता सहित इसके डायरेक्टर अभिषेक सिंह का कहना है कि इस फिल्म के गाने जब से रिलीज हुए हैं पूरे छत्तीसगढ़ में ट्रेडिंग पर चल रहे हैं इससे साफ जाहिर होता है, एक बार फिर छत्तीसगढ़ी फिल्म एक नया इतिहास रचने वाली है।

साथ ही उनका यह भी कहना है कि आगे भी छत्तीसगढ़ी की जनता के लिए वे इसी तरह की अच्छी फिल्मों का निर्माण करेंगे, उनकी आने वाली फिल्मों में बहुत जल्द अनाउंस की जाएगी। कहा गया है कि फिलहाल गणेश चतुर्थी से एक दिन पहले 6 सितंबर को रिलीज होने वाली उनकी छत्तीसगढ़ी फिल्म, तहीं मोर आंशिकी, को अपने नजदीकी सिनेमा घरों में देkhना ना भूलें।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह पर मुस्लिम युवक ने किया हमला

बेगूसराय। मोदी सरकार में केंद्रीय मंत्री पर यह हमला उस वक्त हुआ जब वह बेगूसराय के बलिया प्रखंड में जनता दरबार में लोगों की शिकायतें सुन रहे थे। हालांकि वहां मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने आरोपी युवक को रोक लिया आरोपी की पहचान मोहम्मद सैफी के रूप में की गई है।

पहले माइक छीनी फिर किया हमला

घटना की जानकारी देते हुए स्थानीय बीजेपी के नेताओं ने बताया कि आज केंद्रीय मंत्री लोगों की समस्याओं को सुन रहे थे। उसी वक्त वहां मोहम्मद सैफी नाम का एक युवक पहुंचा और सबसे पहले उसने माइक को अपने कब्जे में ले लिया और अनाप-शनाप बयानबाजी करने लगा। इसी बात से जब भाजपा के कार्यकर्ताओं एवं आम लोगों ने उसका विरोध किया तब आरोपी युवक ने गिरिराज सिंह पर मुक्का चला दिया। हालांकि वहां पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने गिरिराज सिंह को बचा लिया।

दाढ़ी बढ़ाने से कोई मुझ नहीं बनता- गिरिराज सिंह

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सीधे-सीधे आरोप लगाते हुए कहा

है कि दाढ़ी बढ़ाने से कोई मुझ नहीं बन जाता और जिस तरह से ऊक्त मुस्लिम युवक के द्वारा उन्हें डराने धमकाने का काम किया जा रहा है वह इससे डरने वाले नहीं है। गिरिराज सिंह ने कहा कि बिहार में तेजस्वी यादव एवं उत्तर प्रदेश में अखिलेश यादव जैसे लोगों का समर्थन मिलने की वजह से आज अपने आप को कट्टरपंथी मुसलमान कहलाने वाले लोगों का मनोबल बढ़ा है और वह एक सांसद पर भी हमला करने से नहीं चुक रहे हैं।

उन्होंने एक बार फिर बखूफ बोर्ड पर सवाल उठाते हुए कहा है कि वक्फ बोर्ड के द्वारा फतुहा ही नहीं बल्कि बेगूसराय में भी हिंदुओं के जमीन पर नोटिस भेजा जा रहा है और उसे अपना बताया जा रहा है। वक्त बोर्ड का काम वर्तमान में जमीन जुटाव अभियान में तब्दील हो चुका है।

राहुल गांधी भारत को इस्लामिक कंट्री बनाकर ही दम लेंगे

उन्होंने सीधे शब्दों में कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने जो कहा है बटोगे तो कटोगे वह बिल्कुल सत्य है और हिंदुओं को अपनी सुरक्षा एवं सनातन धर्म की रक्षा के लिए एक होना ही पड़ेगा, नहीं तो अखिलेश यादव तेजस्वी यादव एवं राहुल गांधी जैसे लोग भारत को इस्लामिक कंट्री बनाकर ही दम लेंगे।

काम की खबर : बदलेगा जीएसटी का नियम, पोर्टल पर अपलोड करना होगा वैध बैंक खाते का डिटेल



रायपुर। दो दिन बाद यानि आगले महीने एक सितंबर से जीएसटी करदाताओं के लिए नया नियम लागू हो जाएगा। नए नियम के तहत करदाताओं को पंजीकरण की तारीख से 30 दिन के भीतर वैध खाते का विवरण देना अनिवार्य किया है।

चलाया जा रहा है। जीएसटीएन ने पिछले सप्ताह इस संबंध में एडवाइजरी करते हुए जीएसटी के नियम 10ए के अनुसार करदाता को पंजीकरण की तारीख से 30 दिन के भीतर वैध खाते का विवरण देना अनिवार्य किया है।

300 करोड़ से ज्यादा की टैक्स चोरी पकड़ाई

बीते सात महीनों में प्रदेश में जीएसटी विभाग द्वारा 300 करोड़ से ज्यादा की टैक्स चोरी पकड़ी है। इसके साथ ही करीब 17 आरोपितों को गिरफ्तार भी किया जा चुका है। टैक्स चोरों को पकड़ने के लिए विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है, जो 15 अक्टूबर तक चलेगा। यह अभियान फर्जी फर्म बनाकर टैक्स चोरी करने वालों के साथ ही नियमों के पालन में लापरवाही करने वाले करदाताओं के खिलाफ भी है।

अतिवृष्टि से मकान क्षति होने पर एक लाख 20 हजार रुपए की सहायता अनुदान राशि स्वीकृत

राजनांदगांव (दावा)। कलेक्टर संजय अग्रवाल ने दैवीय विपत्तियों के संबंध में राहत मद अंतर्गत तहसील डोंगराढ़ में अतिवृष्टि से एक मकान पूर्णतः क्षति होने पर एक लाख 20 हजार रुपए की सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है।

केजाबाई देवांगन का देहावसान

राजनांदगांव (दावा)। समीपस्थ ग्राम तिलई के प्रतिष्ठित नागरिक भुवनेश्वर देवांगन की धर्मपत्नी श्रीमती केजाबाई देवांगन (75 वर्ष) का रायपुर के हॉस्पिटल में इलाज के दौरान निधन हो गया। श्रीमती देवांगन अपने पीछे तीन पुत्रों गजेन्द्र देवांगन, महेन्द्र देवांगन एवं शैलेन्द्र देवांगन (पूर्व जनपद सभापति व अध्यक्ष, राज देवांगन) सहित भ्रातृपुत्रा परिवार छोड़ गईं। पारिवारिक सत्रों से मिली जानकारी के अनुसार आज एक सितंबर को पूर्वाह्न 11 बजे उनकी अंतिम यात्रा निकलेगी।

जानकारी के अनुसार आज एक सितंबर को पूर्वाह्न 11 बजे उनकी अंतिम यात्रा निकलेगी।

श्री कृष्णा (एयरकुल) में रोजाना 4 खेलों में

समय : 12,3, 6 व 9 बजे रात्रि
बाल्कीनी की एडवॉंस बुकिंग प्रारंभ है।
पारिवारिक मनोरंजन से भरपूर

संघर्ष एक जंग

छत्तीसगढ़ी भाषा में
कलाकार - अर्ध चंद्रा, नेहा पाणिग्रही, अजय पटेल, संतोष सम्राट तिवारी आदि

ऑनलाईन बुकिंग paytm.com & bookmyshow.com

SILVER SCREEN MULTIPLEX
30th Aug to 05th SEP 2024

Street - 2-1200, 1215, 0300, 0330, 06:00, 09:00 & 09:30 pm

Ae Dada Re (C.G) - 12:30 & 03:15 pm

Aho Vikramaarka (Hind) - 06:15 and 09:15 pm

The Diary of West Bengal (Hind) - 06:30 pm

Sumeet Mandi Mall, Rajnandgaon (C.G) | 8085600200

खुले में कचरा न फेंकने हेतु दुकानदार एवं ग्रामीणों को जागरूकता का संदेश देकर ओडीएफ प्लस मॉडल गांव के लिए संकल्पित किया

राजनांदगांव (दावा)। ब्लॉक के ग्राम पंचायत पदुमतरा, जनपद पंचायत राजनांदगांव में प्रत्येक शनिवार को स्वच्छता तौहार के तहत अभियान चलाया गया, जिसमें स्कूली बच्चों के द्वारा स्वच्छता एवं जागरूकता रैली निकाली गई है और लोगों को जागरूकता तथा व्यवहार परिवर्तन के संबंध में स्लोगन के माध्यम से पूरे ग्राम में रैली निकाल कर भ्रमण किया गया।



स्कूल के बच्चों को स्वच्छता लोहार के उद्देश्य, कचरा प्रबंधन, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन की जानकारी देते हुए अपने पालकों एवं समुदाय को जागरूक करने हेतु प्रेरित किया गया।

बलबीर सिंह सहायक विधि अधिकारी जनपद पंचायत, राजनांदगांव द्वारा ओडीएफ प्लस एवं बसंत मारकडे वलुंड विजन इंडिया, यूनिसेफ द्वारा मिशन लाईफ की जानकारी दी गई। नंदकिशोर साहू द्वारा सिंगल युज

रखें, गांव के पेट्रोल पंप एवं बैंक प्रबंधक से मुलाकात कर कचरा सड़क पर फेंकने से मना करते हुए स्वच्छताही दीदी को कचरा देने के लिए प्रेरित किया व न देने पर जुर्माना के प्रावधान से अवगत कराया गया। उक्त कार्यक्रम में सरपंच श्रीमति ललिता मोहन साहू अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं ग्रामवासी उपस्थित हुए।

उक्त कार्यक्रम में सीईओ जनपद पंचायत, राजनांदगांव सुश्री तनुजा मांझी, सहायक विधि अधिकारी जनपद पंचायत, राजनांदगांव बलबीर सिंह, यूनिसेफ वलुंड विजन से बसंत मारकडे, विकासखंड समन्वयक नंदकिशोर साहू, सरपंच ललिता मोहन साहू, शाला विकास समिति अध्यक्ष रमेश साहू, प्राचार्य संस्था गिरण मिंज, समस्त शिक्षक एवं ग्राम पंचायत सचिव ओंकार निर्मलकर उपस्थित हुए।

तिरंगा मंडल की इस वर्ष पौराणिक झांकी हेतु कार्यकारिणी गठित

पंकज गुप्ता अध्यक्ष, संरक्षक सागर चितलांग्या, गणेश शर्मा 'गन्ू'



राजनांदगांव (दावा)। संस्कारधानी की गणेश विजयन झांकी में अपनी अलग पहचान रखने वाली व 1981 से अनवरत 43 वर्षों से झांकियों में बेहतरीन प्रस्तुति देने वाली झांकी श्री तिरंगा मंडल द्वारा इस वर्ष पौराणिक धार्मिक विषय पर तीन जीपों के साईज की झांकी प्रस्तुत की जायेगी।

ज्ञातव्य है कि छत्तीसगढ़ी लोक कला संस्कृति की झांकी जनक, देशभक्ति, लोक कला, संस्कृति, सामाजिक, धार्मिक विषयों पर लोकप्रिय झांकियों की प्रस्तुति तिरंगा मंडल की हमेशा रहती है। जो की पूर्ण रूप से स्थानीय कलाकारों द्वारा

श्रीमती प्रजा गुप्ता, संयोजक- जितेश सिमनकर, अशोक अग्रवाल, विकास झांबक, उपाध्यक्ष- राजेश बावमारे, राजेश पंचभाई, कोषाध्यक्ष- दिनेश खावडे, सचिव- संघर्षिय वासनिंक, रजत भोईर पिन्डू, सहसचिव- संपत गुप्ता, शांकां भीतमांगी, अखिलेश ठावरे, प्रचार-प्रसार प्रभारी- राहुल गौतम, संदीप सोनी, विष्णु सिन्हा, पूजा प्रभारी- चंद्रकांत सोनी, पं. सृष्टि नारायण।

विजयन झांकी प्रभारी - युगल किशोर शर्मा, हेमंत सोनीपारे, मनीष सिमनकर, गणेश गुप्ता, हेमंत साहू, श्रेय गुप्ता, नीलम मेश्राम, सुरेश डेकाटे, अनुज चौधवानी, गंगा प्रसाद सिन्हा, मोहसिन कुंशरी, नेता सोनवानी, अनिवेश खावडे, जीतू यादव, गणेश बिसने, प्रदीप हेड़ाऊ, रमेश पालीवाल, निखिल मांगवी आदि शामिल है। उक्त जानकारी समिति के प्रचार-प्रसार प्रभारी राहुल गौतम ने दी।

कल आकाशवाणी से विजय मिश्रा की कहानी का प्रसारण

रायपुर (दावा)। छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ साहित्यकार विजय मिश्रा 'अमित' की कहानी 'बूढ़ी माई की बुद्धि' का प्रसारण आकाशवाणी से होगा। कार्यक्रम 'कथाचक्र क्रम' के अंतर्गत उक्त कसनी के प्रस्तुतकर्ता उदर प्रकाश होंगे।



'बूढ़ी माई की बुद्धि' में नीवू-मिर्च को गुंथकर दुकान, गाड़ी में लटकाने की प्रथा पर कहानीकार विजय मिश्रा 'अमित' ने करारा प्रहार किया है। जादू-टोना के टोटके को आड़ में नीवू मिर्च की भारी बर्बादी को रोकने हेतु कहानी में बूढ़ी माई कहती है 'नीवू मिर्च को लटकाना फिर फेक देना किसानों की मेहनत का अपमान है। बिजली, पानी, खाद सहित किसानों के पसीने से उपजे नीवू-मिर्च का दान करना श्रेयस्कर कदम होगा।

शुभांक
बी. के.
259-6 159-5

बैगापारा में नवनिर्मित सतनाम भवन का महापौर ने किया लोकार्पण

राजनांदगांव (दावा)। नगर निगम द्वारा वार्ड नं. 33 लखोली बैगापारा में महापौर निधि अंतर्गत 5 लाख रूपये की लागत से सतनाम भवन का निर्माण किया गया है। जिसका महापौर श्रीमती हेमा सुदेश देशमुख ने सामाजिक बंधुओं की उपस्थिति में एक संक्षिप्त एवं गरिमामय आयोजन में फीता काटकर पट्टिका का अनावरण कर लोकार्पण किया।



कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष किशुन युदु, बाजार विभाग की प्रभारी सदस्य व वार्ड पार्षद श्रीमती दुलारी बाई साहू, विधि एवं समान्य प्रशासन विभाग के प्रभारी सदस्य अमीन हुदु विशेष रूप से उपस्थित थे। लोकार्पण कार्यक्रम में अपने संबोधन में महापौर श्रीमती देशमुख ने समाज को बंधाई देते हुए कहा कि, वार्ड पार्षद एवं सामाजिक बंधुओं की मांग पर सतनाम भवन का निर्माण किया गया है। भवन निर्माण होने से समाज के लोगों को सामाजिक, धार्मिक एवं अन्य आयोजनों के लिये एक सर्वसुविधायुक्त उचित स्थान मिल गया। उन्होंने कहा कि सतनामी समाज बड़ा समाज है, इस समाज में बाबा गुरुघासीदास जैसे संत हुये, वहीं ममतामयी मिनीमाता जैसी महिला हुयी जो प्रदेश की पहली महिला सांसद थीं। समाज के लोग इनके आदर्श पर चलकर समाज हित में कार्य करें।

प्रभारी सदस्य व वार्ड पार्षद श्रीमती दुलारी साहू ने कहा कि समाज वालों की मांग पर महापौर हेमा देशमुख ने अपनी महापौर निधि से 5 लाख रूपये देकर भवन का निर्माण कराया जिसके लिये मैं उनका समाज एवं वार्डवासियों

कार्यक्रम के पूर्व में समाज के पं.नारायणदास राही, प्रकाश मारकडे, धरम बघेल, डेमरुदास राही, गौकरण राही, लालचंद कुंरे, पूनम चंद भारती, विष्णु महिांग, सुनील डाहरे, परमेश्वर खुटारे, नरेश गण्डे, देवा चंदेल, भरत खिलाड़ी ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया। तपस्व्यात अतिथियों ने गुरुघासीदास बाबा एवं मिनी माता के तैल चित्र पर माल्यार्पण कर पूजा अर्चनाकर सामुदायिक भवन का विधिवत लोकार्पण किया। इस अवसर पर उप अतिथिता श्रीमती गरिमा वर्मा सहित समाज के लोग उपस्थित थे।

नौकरी लगाने के नाम पर ठगी का फरार आरोपी पुलिस के हथिये चढ़ा

अरोपी ने लोगों को नौकरी लगाने के नाम धोखाधड़ी कर की थी, 36 लाख रूपए की ठगी

राजनांदगांव (दावा)। लोगों को नौकरी लगाने के नाम धोखाधड़ी कर 4 लोगों से 36 लाख रूपए की ठगी करने वाले आरोपी को लालबाग पुलिस ने पकड़ लिया है, बताया जाता है कि उक्त आरोपी गिरफ्तारी के बाद से मोबाइल बंद कर फरार हो गया था। उसे कोरबा क्षेत्र के चांपा से धर दबोचा गया।

लालबाग थाना प्रभारी नवरत्न करयप की मानें तो उक्त आरोपी पूर्व में भी ठगी व आबकारी एक्ट के मामले जेल जा चुका है। उक्त शांतिर बदमाश की ठगी का चालाकी कार्य काम नहीं आया और उक्त 420 के आरोपी को अधिकार पकड़ लिया गया है। उसे दो अलग-अलग 420 के मामलों में जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया गया है।



लोगों का आरोपी जीतू विश्वकर्मा एवं दोनो अपराध में अलग अलग सहयोगी के द्वारा भारतीय खाद्य निगम में नौकरी लगाने के नाम पर अलग अलग 12 लाख रूपए एवं 20 लाख रूपए कुल 36 लाख रूपए नगदी रकम लेकर नौकरी नहीं लगाकर धोखाधड़ी किया गया है।

उक्त आवेदन पर आवेदन जांच किया गया जांच पर से आरोपी जीतू विश्वकर्मा निवासी कुनकुरी जिला जशपुर के संबंध में अलग-अलग अपराध में उसके दो सहयोगियों के खिलाफ धारा 420, 34 भादवि पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

आरोपी के खिलाफ दो अलग-अलग रिपोर्ट

बताया जाता है कि प्रार्थी हरीश गंजीर एवं कुमार सोनवानी दोनो निवासी बरगा थाना लालबाग जिला द्वारा गत वर्ष 20 मई को थाना आकर लिखित आवेदन दिया कि प्रार्थियों के बेटे व बहू कुल चार

लोकेशन बदल-बदल कर रहा था आरोपी

श्री करयप ने बताया कि आरोपी जीतू विश्वकर्मा घटना दिनांक से ही अपना मोबाइल नम्बर को बंद कर लगातार लोकेशन बदल रहा था और लुका छिपी कर भाग रहा था। सीडीआर के

अवलोकन पर पाया गया की मुख्य आरोपी जीतू एक माह में 4-5 बार ही आवश्यकता पड़ने पर जरूरी कॉल करने के लिए दूसरे के मोबाइल को मांग कर अपना सीम लगाकर फोन करता था और

इस दौरान मुखबीर की सूचना के आधार पर थाना लालबाग से तुरंत ही रात में टीम चांपा के लिए रवाना किया गया और मुखबीर से पता चला की जीतू चांपा दिखाया करता था। परसो दिनांक को बंद कर देने के बाद चांपा के आसपास मुखबीर लगाया गया।

गिरफ्त में आया आरोपी

इस दौरान मुखबीर की सूचना के आधार पर थाना लालबाग से तुरंत ही रात में टीम चांपा के लिए रवाना किया गया और मुखबीर से पता चला की जीतू चांपा दिखाया करता था। परसो दिनांक

पावर लिमिटेड (सीएसपीएल) में सिविलीरिटी ऑफिसर के पद पर कार्यरत होकर अपने अधिनस्थ सुरक्षा गार्ड का देखरेख करता था जो कि रात्रि ड्यूटी में उपस्थित है कि सूचना पर टीम द्वारा आरोपी जीतू को सीएसपीएल कम्पनी में घेराबंदी कर पकड़ा गया।

दशत में वाहन चालक : 48 वाहनों से साढ़े 14 हजार रूपए वसूले गए

शहर में नो पार्किंग एवं आम रोड पर खड़े वाहनों पर पुलिस ने की कार्यवाही



राजनांदगांव (दावा)। यातायात पुलिस ने शनिवार 31 अगस्त को शहर में नो पार्किंग व आम रोड में खड़े वाहनों पर कार्रवाई की गई। पुलिस की इस धड़धड़ कार्रवाई से वाहन चालकों में दहशत मच गई। इस दौरान पुलिस ने 48 वाहनों पर कार्रवाई करते हुए वाहन चालकों से साढ़े 14 हजार रूपए जुर्माना वसूला गया।

बता दें कि आगामी त्योहारों के मद्देनजर शहर के भीतर अव्यवस्थित यातायात व्यवस्था सुधार हेतु यातायात प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार खेस, सडिन येनलाल चन्द्राकर, कुंजलाल साहू, कमल किशोर मिश्रण भंडार में बेतरतीब तरीके से नो पार्किंग एवं आम रोड में खड़े कुल 48 वाहनों पर चालानी कार्यवाही कर 14400 रूपये जुर्माना वसूला गया।

नशे से निजात : राजधानी में पकड़ाया अंतर्राज्यीय तस्कर



रायपुर (दावा)। रायपुर में पुलिस ने अफ्रीम के एक अंतर्राज्यीय तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी कुलजिंदर सिंह के पास से 32 लाख का प्रतिबन्धित मादक पदार्थ अफ्रीम जप्त किया गया है। बीते दिनों केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ दौरे पर थे। जहां उन्होंने नारकोटिक्स कार्यालय का शुभारंभ किया था। साथ ही उन्होंने मंत्रियों के साथ मीटिंग कर नशे को लेकर कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

रायपुर एसपी डॉ. संतोष कुमार सिंह के निर्देश पर निजात अभियान के तहत नशे के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें समस्त थानों और एण्टी नारकोटिक्स एक्ट पर प्रभावी कार्रवाई करने विशेष टीम का गठन किया गया है। साथ ही समस्त थाना प्रभारियों को नशे की सामग्री बिक्री करने वालों पर कठोर कार्रवाई की जा रही है।

पर्यावरण और बालिका स्वास्थ्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय कामों के लिए शिक्षिका रश्मि धुर्वे को मिलेगा अवार्ड



रायपुर (दावा)। राज्य शिक्षक अलंकरण के सर्वोच्च 'राज्य स्तरीय स्मृति पुरस्कार' से चार शिक्षिका-शिक्षिकों को सम्मानित किया जायेगा। 5 सितंबर शिक्षक दिवस पर इन उत्कृष्ट शिक्षकों को राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया जायेगा।

इन्हें मिलेगा अवार्ड राज्य स्तरीय स्मृति पुरस्कार के लिए जिन शिक्षकों का चयन किया गया है, उनमें रश्मि सिंह धुर्वे व्याख्याता, शासकीय हाई स्कूल पाली तखतपुर बिलासपुर को डॉक्टर पदमलाल पुत्रालाल बख्शी स्मृति पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। वहीं धर्मलाल लहरे व्याख्याता, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोठारी करतला कोरवा को गजानन माधव मुक्तिबोध स्मृति पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इस तरह राजश्री पांडे शिक्षक शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला सिंगपुर कबीरधाम को मुकुटधर पांडे स्मृति पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा, जबकि सरिता साहू उच्च वर्ग शिक्षक को शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला दुर्ग को डॉक्टर बलदेव प्रसाद मिश्र स्मृति पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

बजट 2025-26 की तैयारी शुरू: विभाग ने जारी किया शेड्यूल, नवंबर तक देना है प्रस्ताव

रायपुर (दावा)। वित्त विभाग ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट की तैयारी शुरू कर दी है। विभाग की तरफ से नए बजट के लिए शेड्यूल जारी कर दिया गया है। विभाग नवंबर 2024 तक प्रस्ताव दे सकते हैं। जनवरी 2025 में मंत्री स्तरीय चर्चा होगी, जिसके बाद बजट फाइनल किया जाएगा। इसके बाद बजट भाषा की तैयारी शुरू हो जाएगी। वित्त विभाग की तरफ से जारी बजट कार्यक्रम में बताया गया है कि, आदिवासी क्षेत्र उपयोजना और अनुसूचित जातियों के लिए विशेष घटक योजना के बजट प्रस्ताव आदिम जाति और अनुसूचित जाति कल्याण विभाग के वित्तीय सलाहकार प्रकाश को भेजा जाएगा। इसके अलावा विभागों को भी निर्देश दिया गया है कि, नवीन व्यय के प्रस्तावों को पृष्ठ परीक्षित के रूप में शामिल कराएं। साल 2025-26 के बजट में अपरिष्कृत व्यय के नवीन मदो के स्थान पर परिष्कृत मद के रूप में प्रस्तावों को वरीयता दी जाएगी। अपरिष्कृत नवीन मद के प्रस्ताव केवल मंत्री स्तरीय चर्चा में ही विचार किए जाएंगे।

लायंस क्लब राजनांदगांव सिटी कन्या शाला में स्कूली सामग्री का वितरण



राजनांदगांव (दावा)। इंटरनेशनल एसोसिएशन, लायंस क्लब के तत्वाधान में विद्यार्थियों के प्रोत्साहन हेतु विद्यार्थियों को आवश्यक स्कूली सामग्री प्रारोपित कर प्रतिवर्ष अगस्त माह में स्कूली सेवा कार्य सार्वत्रिक की जाती है, इसी कड़ी में भारती कन्या उच्चतर माध्यमिक शाला, भरका पारा राजनांदगांव में कार्यक्रम रखा गया।

जनपद सभापति ओमप्रकाश साहू ने तिलई में प्रा. शाला अतिरिक्त भवन का लोकार्पण किया



राजनांदगांव (दावा)। ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम पंचायत तिलई में प्राथमिक शाला में निर्मित अतिरिक्त भवन का लोकार्पण क्षेत्रीय जनपद सदस्य सभापति ओमप्रकाश साहू के मुख्य अतिथि में किया गया। इस दौरान उन्होंने प्राथमिक शाला में नव निर्मित अतिरिक्त कक्ष भवन का फीता काटकर लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का विकास मेरी प्राथमिकता में है। बच्चों को अच्छे शिक्षा मिले इसके लिए संसाधन भी जरूरी है, अच्छे संसाधन से ही शिक्षा का विकास होता है वहीं शिक्षकों और विद्यार्थियों को बर्बाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना किया। इस अवसर पर सरपंच मथुरा नेताम, शाला विकास समिति अध्यक्ष राजेश्वरी साहू, उपसरपंच सफील खान, गुलाल साहू, ईश्वर साहू, पूनम देवान, हेमंत नेताम, नाजरीन खान, मिथलेश चंद्रवंशी, केशव देवान, अमजद खान, वीरेंद्र मुक्ति, दुर्गा साहू सहित जनप्रतिनिधि, शिक्षक, ग्रामीण उपस्थित रहे।

लखौली में भाजपा सदस्यता अभियान को लेकर बैठक आयोजित



राजनांदगांव (दावा)। राष्ट्रहित के लिए भाजपा को पहले से और अधिक सशक्त बनाने के लिए पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के निर्देशानुसार आगामी दो सितंबर से शुरू होने वाले सदस्यता अभियान को लेकर लखौली शक्ति केन्द्र में बैठक संपन्न हुई। बैठक में पार्टी की रीति नीति की जानकारी देकर हर बुध में 200 प्राथमिक सदस्य बनाने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए एवं 50 सदस्यों से अधिक सदस्य बनाने वाले को सक्रिय सदस्य बनाने की बात से अवगत कराया गया। इस अवसर पर दक्षिण मंडल अध्यक्ष तरुण लहरवानी, अभियान के मंडल प्रभारी रवि सिन्हा, मंडल महामंत्री हकीम खान, आईटी सेल के शैकी बगवा, विशाल शर्मा, शक्ति केन्द्र प्रभारी राजेश गुप्ता अग्रहरी, महिला मोर्चा अध्यक्ष मिथलेश्वरी वैष्णव, अनु.जाति मोर्चा प्रदेश मंत्री आशीष डोंगरे, अभियान के शक्ति केन्द्र संयोजक संतोष निर्मलकर, पूर्व पाषंड विठ्ठल पटेल, मंत्री प्रकाश मारकंडे, बुध अध्यक्ष दिलेश्वर साहू, संतोष गुप्ता, शत्रुहन साहू, शिवेंद्र वैष्णव, संतोष साहू, बाबा, हीरा साहू, सतीश साहू, अमरुद साहू, यंकेश विश्वकर्मा, मिलन साहू, धिरपाल एवं कमलेश साहू सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

बालरत्न मंच सेवा समिति द्वारा गणेश उत्सव समिति गठित

संयोजक संदेश जैन, प्रशांत अग्रवाल, रवि शर्मा, अध्यक्ष अभिनव अग्रवाल, सचिव रोहित शर्मा, कोषाध्यक्ष करण अग्रवाल

राजनांदगांव (दावा)। संस्कारधानी की सेवाभावी संस्था बाल रत्न मंच सेवा समिति गौ सेवा रथ दो रोटी, सेवा कार्यों में एक विशिष्ट पहचान रखती है संस्था द्वारा इस वर्ष गणेश उत्सव सेवा समिति का गठन किया गया है जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष अभिनव अग्रवाल को बनाया गया।



महेश शर्मा, सांस्कृतिक प्रभारी प्रशांत कुशवाहा, श्रेयांशु जोशी, प्रचार प्रमुख हर्ष अग्रवाल, आयुष शर्मा पडाल व्यवस्था प्रमुख सवि अग्रवाल, सतपाल वाधवानी, वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य गोविंद जोशी, कार्यकारिणी सदस्य राजा गुप्ता निलेश शर्मा को बनाया गया है। अध्यक्ष अभिनव अग्रवाल एवं सचिव रोहित शर्मा, कोषाध्यक्ष करण अग्रवाल ने बताया की मेरी संस्कृति मेरा आधार को शिरोधार्य करते हुए इस वर्ष गणेश उत्सव का 31वां आयोजन है। 11 दिवसीय गणपति महोत्सव आनंद उमंग महोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। बालरत्न मंच सेवा समिति गणेश उत्सव पंडाल को भव्य आकर्षक रूप से सजाया जा रहा है। गणपति जी की नैनाभिराम प्रतिमा के साथ ही जगन्नाथ महाप्रभु की दिव्य भव्य झंकी सजाई जाएगी। जिसमें प्रथम दिवस दिनांक 7 सितंबर श्री गणेश स्थापना, 11 सितंबर को श्री गणेश अभिषेक महापूजा महाभारती 12 सितंबर को 5100 दीपों से दीपोत्सव मनाया जाएगा, 14 सितंबर को गणेश उत्सव में पहली बार विशाल रत्नदान शिविर का आयोजन, 15 सितंबर अन्नकूट महाप्रसाद भंडारा एवं 17 सितंबर को भव्य आकर्षक शोभायात्रा बाजे गाजे के साथ उत्साह पूर्ण वातावरण में गणपति विसर्जन किया जाएगा और पुनः श्री गणपति से प्रार्थना करते हुए अगले बरस नू जल्दी आना का निमंत्रण दिया जाएगा। उपरोक्त जानकारी बाल रत्न मंच गणेश उत्सव सेवा समिति के सचिव रोहित शर्मा ने दी।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे	
ई-निविदा सूचना	
निविदा सूचना क्रमांक : 04 / निविदा/विद्युत निर्माण/ द.पू.म.रेलवे/बीएसपी/2024,	दिनांक: 26.08.2024
कार्य का नाम : द.पू.म. रेलवे नागपुर मंडल के राजनांदगांव - नागपुर के मध्य रेलवे स्टेशन तिहरिकरण कार्य के अंतर्गत बिजली आपूर्ति स्थापना (डी एच आई) का शेष कार्य का निष्पादन और कमीपाणि। निविदा मुल्य : 2,36,98,396.11 (दो करोड़ छत्तीस लाख अठान्ने हजार तीन सौ छियात्नवे रुपये पचास पैसे मात्र)। ब्याना राशि : ₹. 2,68,500/- (दो लाख अठसठ हजार पाँच सौ मात्र)। निविदा बंद होने का समय एवं दिनांक : 18.09.2024 को 15:30 बजे, कार्य पूर्णता की अवधि : 12 (बारह) माह चौबीस घंटा व बारी होने की तारीख से।	वेबसाइट का विवरण तथा नोटिस बोर्ड का स्थान : उपर दिए गए कार्य के लिए विद्युत जानकारी/ई-निविदा दरतावेब पाना का मायबंद तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु ई-निविदा के कागजात, जो हमारी वेबसाइट www.irps.gov.in पर उपलब्ध है उसे डाउनलोड कर देख सकते हैं।
कृपे उच्च गुणवत्तु विद्युत अधिव्या (निर्माण) सीडीआर/10AM/213 द.पू.म.रेलवे, नागपुर	
South East Central Railway @social	

अनमोल दावा

“मनुष्य जब तक अपने आप से नहीं हारता, तब तक उसे दुनिया की कोई ताकत हारानहीं सकती...”

भारत-चीन सीमा विवाद पर कड़वाहट दूर करने की पहल, बीजिंग को दिखाना होगा लचीला रुख

भारत की शिकायत अभी अपनी जगह बनी हुई है कि चीन ने भारत के हिस्से वाले भूखंड पर नजर गड़ाई हुई है। कई जगह उसने अवैध निर्माण तक की कोशिश की है। राजनीतिक स्तर पर भी चीन की रणनीति भारत को चारों तरफ से घेरने की ही देखी जाती रही है।

भारत और चीन के बीच विवादित सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता बहाल करने के मकसद से बेजिंग में हुई परामर्श और समन्वय के लिए कार्यतंत्र यानी डब्ल्यूएमसीसी की इकतीसवीं बैठक निस्संदेह आशाजनक कही जा सकती है। इस बैठक में दोनों पक्षों ने इस बात पर जोर दिया कि सीमा पर तनाव को कम करने और लंबित मुद्दों का समाधान खोजने के लिए ऐसी बातचीत बेहद जरूरी है, जो स्पष्ट, रचनात्मक और भविष्य की जरूरी संभावनाओं के प्रति उन्मुख हो।

यह बैठक दरअसल, पिछले महीने दोनों देशों के विदेश मंत्रियों की आसियान और शंघाई शिखर सम्मेलन के दौरान हुई मुलाकातों में सीमा विवाद को सकारात्मक ढंग से निपटाने को लेकर बनी सहमति के आधार पर बुलाई गई थी। यों भारत-चीन सीमा विवाद पुराना है, मगर चार साल पहले गलवान घाटी में दोनों देशों के सैनिकों के बीच हुए संघर्ष के बाद कड़वाहट बढ़ गई थी। वह तनाव अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। तब से लेकर अब तक इसे सुलझाने के लिए राजनयिक और सैन्य स्तर की कई बैठकें हो चुकी हैं। ताजा बैठक उसी की कड़ी थी।

इसे सकारात्मक रुख माना जाना चाहिए कि चीन ने कभी सीमा विवाद को सुलझाने के लिए बातचीत से खुद को अलग नहीं किया। कुछ मौकों पर तो खुद चीन के सैन्य अधिकारियों ने भी बैठक बुलाई और उसके सकारात्मक नतीजे भी देखने को मिले। अगर चीन सचमुच सीमा पर शांति और स्थायित्व का पक्षधर है, तो उससे लचीले रुख की अपेक्षा स्वाभाविक है। दरअसल, अनेक मौकों पर देखा गया है कि बैठकों में तो चीन के अधिकारी सकारात्मक रुख जाहिर करते हैं, पर व्यवहार में वहां की सेना विस्तारवादी नीतियों पर आगे बढ़ती नजर आती है।

भारत की शिकायत अभी अपनी जगह बनी हुई है कि चीन ने भारत के हिस्से वाले भूखंड पर नजर गड़ाई हुई है। कई जगह उसने अवैध निर्माण तक की कोशिश की है। राजनीतिक स्तर पर भी चीन की रणनीति भारत को चारों तरफ से घेरने की ही देखी जाती रही है। वह भारत के पड़ोसी देशों में अपनी पैठ बना कर एक तरह से भारत पर सामरिक शिकंजा कसने का प्रयास करता देखा जाता है।

दो देशों के रिश्ते पारदर्शिता पर ही टिकाऊ और स्थायी बन सकते हैं। ऐसा नहीं हो सकता कि विश्व मंचों और औपचारिक बैठकों में तो रचनात्मक संबंधों की जरूरत पर बल दिया जाए और व्यवहार में संदेह पैदा करने वाली गतिविधियां चलाई जाएं। पाकिस्तान, श्रीलंका, नेपाल और बांग्लादेश में उसने आर्थिक सहयोग के नाम पर जैसी गतिविधियां चलानी शुरू की हैं, वे भारत के लिए किसी भी रूप में रचनात्मक नहीं कही जा सकती।

हिंद-प्राशांत क्षेत्र में दबदबा कायम करने के लिए चीन ने जिस तरह की सामरिक बाड़बंदी की है, वह भी भारत के लिए चिंता का विषय है। इन सबके बावजूद भारत व्यापारिक मामलों में चीन का एक बड़ा सहयोगी है। इसलिए केवल कूटनीतिक स्तर पर समन्वय का आदर्श पेश करने के बजाय जब तक वह व्यावहारिक धरातल पर भारत के मामलों में विस्तारवादी नीतियों का त्याग नहीं करेगा, इसके सकारात्मक नतीजे निकलने मुश्किल बने रहेंगे।

युद्ध की आड़ में फ़लस्तीनियों की ज़मीन पर कब्ज़ा करते इसराइली

योलांद नेल

प्रकृतिक झरनों के पानी से सिंचाई करने वाले पुराने फलस्तीनी गांव बतौर में आम जदिगी सैकड़ों सालों से शांत ही रही है। यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल बतौर गांव को जैतून के बागों और अंगूर के खेतों लिए जाना जाता है। लेकिन मौजूदा वक में यह कब्ज़ा किए गए वेस्ट बैंक वाले इलाके में बस्तियों को लेकर चर्चा में है। इसराइल ने इस इलाके में नई यहूदी बस्तियों को मान्यता दी है। लेकिन इसराइल की अनुमति के बिना यहाँ नई यहूदी बस्तियों के लिए फलस्तीनियों के लोगों की निजी स्वामित्व वाली जमीन को छीन लिया गया है और वहाँ सैन्य चौकियां बना दी गई हैं। घासमन ओल्यान उन लोगों में से हैं जिनकी जमीन पर कब्ज़ा किया गया है। ओल्यान कहते हैं, हमारी त्रासदी पर अपने सपने बनाने के लिए वो हमसे हमारी जमीनों छीन रहे हैं। यूनेस्को का कहना है कि बतौर के आसपास नई बस्ती और लोगों को लेकर चर्चा है। ऐसा मानने वालों की संख्या इससे पहले 42 प्रतिशत थी।



मौजूद कड़ुपंथी यहूदी पहले से तनावपूर्ण और अस्थिर स्थिति को और बढ़ रहे हैं। वो कहते हैं, यह बहुत खतरनाक है और दोनों पक्षों के बीच नफरत को और बढ़ रहा है। जंग शुरू होने के बाद से वेस्ट बैंक में फलस्तीन के लोगों के खलिफ नए बसे लोगों (सेटलर्स) की तरफ से हिंसा के मामलों में बढ़ती दर्ज की गई है। हालांकि हिंसा में पहले भी वृद्धि देखी जा रही थी। लेकिन पिछले 10 महीनों में यूएन ने हिंसा के 1270 मामलों को दर्ज किया है जबकि 2022 में कुल 856 मामलों के मामले सामने आए थे। इसराइल की मानवाधिकार संस्था बी'त्सेलेम के अनुसार इसी अवधि में नए बसने वाले इसराइलियों के उपीड़न के कारण वेस्ट बैंक में कम से कम 18 गांवों से फलस्तीनियों को बाहर निकलने पर मजबूर होना पड़ा है। 1967 में मध्य पूर्व में जंग के दौरान इसराइल और जॉर्डन के बीच मौजूद फलस्तीनी क्षेत्र पर इसराइल ने कब्ज़ा कर लिया था। तब से लेकर अब तक यह क्षेत्र इसराइल के ही कब्ज़े में है।

यूएन के अनुसार सात अक्टूबर से लेकर अगस्त 2024 तक वेस्ट बैंक में 589 फलस्तीनी नागरिक मारे गए हैं। इनमें कम से कम 570 लोग इसराइली सैनिकों के हाथों मारे गए हैं और 11 इसराइली बस्तियों में रहने वाले लोगों के हाथों इस दौरान फलस्तीनियों ने 11 इसराइली सेटलर्स को और इसराइली सुरक्षा बल से जुड़े 9 लोगों को मारा है। इसी हफ्ते वेथलेहम के निकट मौजूद वादी एल गहेल में इसराइली सुरक्षा बलों और इसराइली सेटलर्स के घुसने के बाद कथित तौर पर एक 40 वर्षीय फलस्तीनी नागरिक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इसराइली सेना का दावा है कि पहले इसराइली वाहन पर पत्थर फेंके गए थे।

पिछले महीने जित नाम के एक गांव में इसराइलियों के घुसने और वहां तोड़फोड़ करने के दौरान एक 22 वर्षीय फलस्तीनी युवक की मौत हो गई थी। इस घटना की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आलोचना की गई। इसराइली सुरक्षा बलों ने चार लोगों को गिरफ्तार किया था और इस घटना को गंभीर आतंकी घटना बताया था। लेकिन इस तरह के मामलों को देखा जाए तो सजा मिलने में कमी देखी जा रही है। इसराइली नागरिक अधिकार समूह येश दिन ने पाया है कि 2005 से लेकर 2023 तक इसराइली प्रवासियों की ओर से की गई हिंसा के मामले में सिर्फ 3 प्रतिशत मामलों में ही आधिकारिक जांच में सजा मिली है। इसराइल के खुफिया प्रमुख रोनेन बार की लिखी चेतावनी वाली चिट्ठी को इसराइली मीडिया को लोक कर दिया गया था। इसमें उन्होंने कहा था कि कड़ुपंथी इसराइली सेटलर्स को कानून में हिलाई के जरिए एक तरह से प्रोत्साहित किया जा रहा था। वेस्ट बैंक के हिस्सों में नए सेटलर्स को खस बनाए गए यहूदी समुदायों में बसाया गया है। इनमें से अधिकतर बस्तियों को इसराइली सरकार की तरफ से कानूनी मदद मिलती है। अन्य बस्तियों को चौकियों के रूप में जाना जाता है जिन्हें तंबूओं और गाड़ियों में बने घरों के रूप में बनाया गया है। ये बस्तियां इसराइली कानून के अनुसार अमान्य हैं। लेकिन कड़ुपंथी और जमीनों पर कब्ज़ा करने के लिए इन बस्तियों का निर्माण करते रहते हैं। जुलाई महीने में जब यूएन के

उच्चतम कोर्ट को पहली बार यह पता चला था कि पूर्वी यरुशलम सहित वेस्ट बैंक के इलाके पर इसराइल का अवैध कब्ज़ा था, तब कोर्ट ने कहा था कि इसराइल को नई बस्तियां बनाने की कार्रवाई को रोकना होगा और जल्द से जल्द पीछे हटना होगा। इसराइल के पश्चिमी सहयोगी इन नई बस्तियों को शांति की राह में रुकावट के रूप में देखते हैं। लेकिन इराइल इस दलील को खारिज करता है। वो कहता है, यहूदी लोग कब्ज़ा नहीं कर रहे हैं, यह उनकी अपनी ही जमीन है। अब इस बात को लेकर आशंका जताई जा रही है कि इसराइली कड़ुपंथी बस्तियों को स्थायी बनाने के लिए काम कर रहे हैं। इसराइल के इतिहास की अब तक की सबसे ज्यादा दक्षिणपंथी सरकार के सहयोग से ये लोग बस्तियों में अपने नियंत्रण को बढ़ा रहे हैं। ये कड़ुपंथी वेस्ट बैंक पर अपने कब्ज़े की योजना को तो बड़ा ही रहे हैं, युद्ध खत्म होने के बाद गजा में बसने की बात भी खुलेआम कर रहे हैं। ये इसराइली सरकार के महत्वपूर्ण मंत्रालयों में भी काम कर रहे हैं। एक तरफ विश्व के नेता टूट्टे समाधान पर जोर दे रहे हैं और नई बस्तियां बसाने का विरोध कर रहे हैं जिससे स्थायी शांति का रास्ता निकल सकेगा और एक अलग फलस्तीनी राष्ट्र बन सकेगा। दूसरी तरफ इसराइल के धार्मिक राष्ट्रवादी का मानना है कि सारी जमीन पर इसराइल का हक है। विश्लेषकों का मानना है कि शायद इसीलिए कुछ नेता युद्धविरोध के किसी भी समझौते को मानने से इनकार कर रहे हैं। 6 टाइम्स ऑफ इसराइल% की राजनीतिक संवाददाता ताल शनाइडर का कहना है कि वे लोग इस कारण से भी संघर्ष खत्म नहीं करना चाहते या बंधक रिहाई समझौते पर नहीं पहुंचना चाहते क्योंकि उनका मानना है कि इसराइल को तब तक युद्ध लड़ना चाहिए जब तक कि संघर्ष गजा के अंदर सिमट कर न रह जाए। ताल शनाइडर कहती हैं, वो सोचते हैं कि लंबी अवधि में उनकी विचारधारा ज्यादा सही है। यह उनका अपना तर्क है। इस बीच इसराइली प्रवासन ने पांच नई बस्तियां बसाने की घोषणा की है। इनमें से एक बस्ती बतौर गांव में भी बसाई जाएगी। यह बस्तियां 23 वर्ग किलोमीटर इलाके में बसाई जाएगी। इसका मतलब यह है कि इसराइल इसे अपनी जमीन मानता है, भले ही यह जमीन कब्ज़े वाले इलाके में हो और फलस्तीनी लोगों की निजी जमीन हो। इसराइली सेटलर्स इस बात की उम्मीद करते हैं कि वे लोग अधिक से अधिक संख्या में इसराइली लोगों को इस जमीन पर बसाएंगे।

विचार सरिता

मन में बसे हैं राम - 246 : सीता जी ने कहा, मैं भी उनके साथ वन जाने की प्रबल इच्छा रखती हूँ

डॉ. योगेंद्र कुमार पांडेय



जानकी की प्रेम सुनकर श्री राम मुस्कुराने लगे, लेकिन उतर दिया लक्ष्मण जी ने। उन्होंने तेजी से आगे बढ़कर सीता जी के चरण स्पर्श किए। उन्होंने कहा, "भाभी! स्थिति यह बन गई है कि भैया राम का अभिषेक तो होगा लेकिन अयोध्या की सीमा से दूर वन क्षेत्र में। वन क्षेत्र में निवास करने वाले प्रजाजन ही उनकी प्रजा होंगे और वन के वृक्ष, लताएं, पौधे पतियां, नदी, झरने, पहाड़ ये सब उनके विराट राज्य की जीवन्त संपत्ति होंगे।"

होंगे। भैया 14 वर्षों तक आर्यावर्त के वन क्षेत्र में रहेंगे और वन का कण-कण ही साकेत नगरी बन जाएगा। अभी एक अयोध्या यहाँ है तो दूसरे अयोध्या की सीमा वहाँ से शुरू होगी, जहाँ से दंडकारण्य का वन क्षेत्र शुरू होता है। उस क्षेत्र पर अयोध्या का आधिपत्य नहीं होगा लेकिन भैया राम लोगों के हृदय में राज्य करेंगे और सुख-दुख में उनकी सहायता करेंगे, उनके साथ रहेंगे।"

अगले क्षण ही उन्होंने समझ लिया कि जहाँ पीड़ित मानवता की अपने हर एक पग पर रक्षा करने का उद्देश्य रखने वाले श्री राम हैं, वहाँ ऐसे निर्णयों का कोई बड़ा और ठोस आधार अवश्य होगा। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, "तो यह कारण है, आप सबके यहाँ एकत्र होने का और अभी तक अभिषेक स्थल के लिए प्रस्थान की तैयारी नहीं करने का वन राज्य में आर्य पुर के साथ और कौन-कौन जाएंगे?... अगर केवल उनके जाने का निर्णय हुआ है तो मैं भी उनकी आर्थांगिनी के रूप में वन जाने की प्रबल इच्छा रखती हूँ। मुझे भी अनुमति प्रदान की जाए।"

(भगवान श्री राम की प्रेरक गाथा संस्कृत साहित्य में आदि कवि वाल्मीकि और हिंदी साहित्य में अवधी के महाकवि तुलसी से लेकर विश्व की अनेक भाषाओं की शताधिक रामायणों में लिखी गई है। लेखक ने इस रचना में श्री राम की महागाथा के विविध प्रसंगों से कथा प्रवाह की प्रेरणा प्राप्त की है। उन्होंने उन रचनाकारों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए श्री राम के जीवन के विविध प्रसंगों में अनेक स्थानों पर एक साधारण भक्त की अपनी नवीन रचनात्मक कल्पनादृष्टि का भी सहारा लिया है। और रामकथा की मौलिक साहित्यिक प्रस्तुति का प्रयत्न किया है।)

लघुकथा

सास की कथा का अन्त

शादी के बाद जया जब पहली बार मायके आई ता सबने उसे घेर लिया। सभी उत्सुक थे उसके ससुराल का हाल जानने। छोटी बहन रमा ने कहा- "आओ जिज्जी। हम सब बाहर आंगन के चबुतरे पर बैठ बातें करते हैं। जया को अच्छा लगा। उसे यह चबुतरा सदा से बड़ा प्रिय रहा है। जब भी घर के काम से फुरसत पती, वह यहीं आकर ध्यानस्थ सी बैठ जाती और अपने कालेज के दिनों की यादों में खो जाती। रमा ने जया को एक तरह से मीठा आदेश दिया- "जिज्जी! आप बीच में बैठों ताकि हम सब आपकी ससुराली कथा का मजा ले सकें। प्रसन्न वदना जया मुस्कुराती हुई बैठी कि छोटे भैया जयवन्त दौड़ते हुए आया और जया की मुक में समा गया। जयवन्त ने ही बात शुरू की- "जिज्जी! आपके वहाँ के घर में कैरम है?" जया ने बड़े स्नेह से उसके सिर पर हाथ फेरते हुए हँस कर कहा- "वहाऊ तो कैरम नहीं है जया पर जब तुम आएंगे न, तो तुम्हारे जीजाजी से कह कर मंगवा दूंगी। फिर हम कैरम खेलेंगे। वे सचमुच इतने अच्छे हैं?" फिर तो सब कोई एक बारगी जोर से हँस पड़े। जयवन्त हँसी का कारण न समझ सका। उसने कहा- "यहाँ तो बड़े भैया मेरी बात ही नहीं सुनते। कोई भी चीज मांगो न जिज्जी! तो कहते हैं, अभी रुक, बाद में ला देंगे। जिज्जी! जीजा जी के साथ आज यहीं आ जाओ, बड़ा अच्छा लगेगा। वे मेरी भी बात मांगेंगे न जिज्जी!" जया कुछ कहती कि रमा ने दखल न की- "तु चप कर जयवन्त! पटर-पटर बोलते ही रहता है। अब मुझे बताओ जिज्जी! हम लोग तो यहाँ सावन में, सामने नीम पेड़ की डगाली में रस्सी बांध खूब झुला झुला करते थे। वहाँ झूले का आनन्द ले पाई कि नहीं?" जया ने बताया वहाँ पड़ोस में बिसेसरी दादी का बड़ा... एकदम बड़ा आंगन है। वही दादी आम के पेड़ में विशेष रूप से झुला बंधवाती है।" रमा जिज्ञासु हुई- "बिसेसरी दादी कौन है। उन्हे तो मैंने शादी में नहीं देखा। जया बोली- "वे मोहल्ले की एक तरह से महिलाओं की मुखिया हैं। बाजार चौक पर दादाजी की किराने की बड़ी दुकान है। अच्छा पैसा है उसके पास। तो उन्हीं के बाड़े में कुछ न कुछ उत्सव होते रहती हैं। इन दिनों दादी गणेश जी की स्थापना को लेकर व्यस्त हैं। तुम्हारे जीजाजी बता रहे हैं, गणेश पर्व में बाड़े में अच्छा-खासा आयोजन होता है। रमा! तुम मेरे साथ चलना। तुम्हारी गाने का... मतलब 'एक शाम, रमके गाने का नाम' कार्यक्रम खवा देंगे। तुम्हारी कीर्ति उधर भी फैल जाएगी।"

अब तक चुप बैठे जयवन्त ने कहा जमुहाई लेते हुए- "रमा आपके ससुराली शहर में नाम कमाएंगी तब कमाएंगी पर यहाँ तो आपके जाने से जिज्जी! हमारा मर्निंग वाक ही बन्द हो गया है। आप भी तो हम लोग सबरे पांच बजे से वो दूर ले ओकर बिज तक घूमने जाते थे। सबरे का समीर और आपकी हँसी-दिल्ली, क्या मजा आता था पर अब तो सब सपना हो गया।" जया ने जयवन्त कंधे पर रख उसे सान्त्वना दी- "सपना, यथार्थ हो सकता है यश! तुम भी मेरे साथ एक हफ्ते की छुट्टी लेकर चलो। वहाँ तुम्हें अच्छा लगेगा। बाबूजी रोज सबरे अपनी प्रिय छट्टी लेकर नदी तक घूमने जाते हैं। तुम रहोगे तो मैं भी साथ चल्ती और मालूम! बाबूजी औरों जैसे चिड़चिड़ नहीं, बड़े विनोदी व्यक्ति है। उनके साथ तुम्हारी खूब जमेगी। तुम्हें नयी-नयी कहानी का प्लाट भी मिलेगा।" और! तभी एकाएक, बड़े भैया.... पूरे मोहल्ले के बड़े भैया, घर-गृहस्थी के सिद्ध हस्त जानकारी बड़े भैया बिहारी बाबू आ गये। जया के पास बैठते हुए बोले- सुना कि तुम आई हो तो फिर रहा न गया, सीधे यहाँ चला आया। जया ने तुरन्त सिर पर पल्लू डालकर, उठ कर उनके चरण छूते हुए प्रणाम कर बोली- "अच्छा किया बड़े भैया जो आप आए। मुझे वहाँ जब तब आप याद आते रहते हैं।" बड़े भैया ने जया को "सदा प्रफुल्लित रहो- आशीर्वाद देते हुए कहा- "तुम्हारे पापा जी यहाँ बड़े खुश है कि तुम्हें बहिया ससुराल मिली है। दामाद बाबू बड़े सहृदय व्यक्ति है।" फिर बिहारी बाबू ने स्वर को धीमा कर पूछा "ये तो बताओ जया! तुम्हारी सास कैसी है?" जया ने मुस्कराकर कहा - "सास? सास क्यों कहते हैं बड़े भैया! अम्मा कहिए न! हाँ तो, आपको, कहिए क्या जानना है, अम्मा के बारे में?" बड़े भैया बिहारी बाबू ने, बड़े स्नेह से जया का हाथ अपने हाथों में लेते हुए कहा- "अब क्या पूछना है जया! तुमने तो सास को 'अम्मा' कह कर सास की कथा का ही अन्त कर दिया।"

-गिरिशा बखशी

शब्द सामर्थ्य -164

Word puzzle section with a grid and clues in Hindi. Includes a small crossword puzzle and a word search.

सू-दोकू क्र. 164

Sudoku puzzle section with a 9x9 grid and clues in Hindi.

Rashifal section with 12 zodiac signs (Mेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ, मीन) and their corresponding horoscope details in Hindi.

बीच गली में पानी बहना बना विवाद का कारण

राजनांदगांव (दावा)। डोंगरगांव रोड स्थित ग्राम अर्जुनी के निकटस्थ गांव केसला में गांव के बीच गली में पानी बहना विवाद का कारण बन गया जिससे ग्रामवासियों में एक दूसरे से उलझने की स्थिति आ गई। शिकावा - शिकायत होने पर पुलिस द्वारा दखल दिया गया।



अर्जुनी केसला में उलझे लोग

डोंगरगांव थाना प्रभारी उषेंद्र कुमार शाह ने बताया कि ग्रामवासी केशला के आवेदन पर जांच के दौरान अनावेदक आक्रोश में आ गए। इस पर पुलिस ने इशतेहार पेश किया है और अशांति फैलाने की संभावना में अनावेदकों को धारा-170 जा.फौ के अंतर्गत गिरफ्तार कर रिपोर्ट तैयार किया गया। बताया जाता है कि जांच के दौरान ही अनावेदकों के द्वारा पुलिस से उलझने लगे थे। थाना प्रभारी के अनुसार थाना डोंगरगांव में शनिवार दिनांक 31 अगस्त को जिला पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग के निर्देश एवं अतिरिक्त पुलिस

अधीक्षक राहुल देव शर्मा तथा पुलिस अनु. अधि. डोंगरगांव दिलीप सिंह सिंसोदिया के मार्गदर्शन में स्वयं उनके नेतृत्व में क्षेत्र में चोरी, लुट, अवैध शराब बिक्री व संवेदनशील मामलों के गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है। इस दौरान शुक्रवार 30 अगस्त को ग्राम केशला ग्रामवासियों के द्वारा थाना में आकर लिखित आवेदन पेश किया गया कि ग्राम केशला के भगवतीन बाई साहू के द्वारा अपने द्वारा उपयोग किये गये पानी को गली में खुले तौर पर बहा देती है, जिससे एक बहे हुये गंद पानी से गली में आने-जाने वालों लोगों को परेशानियां होती है। उक्त महिला को पानी के निस्तारी के संबंध में समझाने व मना करने पर गांव-मोहले के प्रत्येक व्यक्ति से

उलझकर गली गलौच कर वाद विवाद किया जाता है। उक्त शिकायत पर जांच के दौरान प्रार्थी एवं अनावेदक को थाना डोंगरगांव में उपस्थित बुलाकर, कथन लेखबद्ध करते समय, भगवतीन बाई के साथ आये उनके दामाद चंद्रकुमार पिता कमल सिंह उम्र-33 साल एवं उनका साथी सोनुराम डहरे पिता परदेशी डहरे, उम्र-35 साल, दोनों निवासी पता-ग्राम भोलापुर, थाना छुरिया के द्वारा ग्रामवासी केशला के द्वारा झुटा रिपोर्ट लिखाये हो कहकर वाद विवाद करने लगा जिसे गांव वालों के द्वारा समझाने का प्रयास किया गया किन्तु नही समझने पर पुलिस स्टॉफ के द्वारा भी शांति बनाये रखने की अपील करते हुये समझाई दिया लेकिन अनावेदकगणों के द्वारा आवेश में आकर पुलिस स्टॉफ से उलझ कर आवेदकों को मारने पीटने पर उतारू हो गया, तब सज्जे अपराध घटित होने की अंदेशा में एवं मौके पर शांति बनाये रखने हेतु गिर. करने के अलावा अन्य कोई विकल्प नही होने से धारा 172 के तहत गिरफ्तार किया गया, एवं धारा- 125, 135(2) के तहत रिपोर्ट तैयार कर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), डोंगरगांव के कार्यालय पेश किया गया है, उक्त कार्यवाही में पुलिस स्टॉफ डोंगरगांव की विशेष भूमिका रही।

अब 20 लाख रुपये तक ले सकते हैं मुद्रा लोन, उद्यमीमित्र पोर्टल पर भी कर सकेंगे आवेदन

रायपुर। छोटे व लघु उद्योगों को केंद्र सरकार द्वारा बढ़ी राहत दी गई है, इसके तहत अब मुद्रा लोन की सीमा को बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दी गई है। अब तक मुद्रा लोन की सीमा 10 लाख थी। इसमें उन्हीं लोगों को 20 लाख का लोन मिलेगा, जिन्होंने पहले 10 लाख का लोन लेकर चुका दिया है। केंद्रीय बजट में इसका प्राविधान भी किया गया है। प्रधानमंत्री मुद्रा लोन के अंतर्गत मुद्रा लोन किसी भी बैंक, एनबीएफसी, एमएफआई आदि के नजदीकी शाखा कार्यालय से लिया जा सकता है। साथ ही उद्यमीमित्र पोर्टल पर भी आवेदन किया जा सकता है।

बैंक लोन जारी करने के लिए नई व्यवस्था भी बनाई जा रही है। वहीं अब खरीदारों को भी ट्रेडर्स प्लेटफॉर्म में शामिल करने की कोशिश की जा रही है। इसके तहत कारोबार की सीमा 500 करोड़ से घटाकर 250 करोड़ किया जाएगा। उल्टा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष अधिन

रफ्तार भी बढ़ेगी। **इन्हें मिलेगी सहायता** एमएसएमई के क्षेत्र में उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिए वित्तीय सहायता भी दी जाएगी। इसके तहत 50 मस्ट्री प्रोडक्ट फूड इंड्रियेशन यूनिट स्थापित करना होगा। उद्यमियों का कहना है कि इससे छोटे व लघु उद्योगों को काफी राहत मिलेगी। 45 दिन में करना होगा भुगतान, नहीं तो आय में जुड़ेगा आकर अधिनियम की धारा 43 बी(एच) के अनुसार अगर कोई बड़ी कंपनी किसी एमएसएमई को समय पर भुगतान नहीं करती है, तो लिखित समझौते के मामले में 45 दिनों के भीतर तो वह उस खर्च को अपनी कर योग्य आय से घटाकर 250 करोड़ किया जाएगा। उल्टा इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष अधिन

निखिल साहू ने किया तीसरी बार रक्तदान



राजनांदगांव (दावा)। जिला साहू संघ के पदाधिकारी माधव साहू के पुत्र निखिल साहू ने विद्याभूषण हॉस्पिटल डोंगरगांव में भर्ती मरीज श्रीमती शीला गौड़लाल डहरे के लिए रक्तमित्र फेनैन्ड जैन की प्रेरणा से तीसरी बार जीवन रक्षक रक्तदान कर लोगों को भी रक्तदान करने के लिए प्रेरित किया।

खैरागढ़ कालेज में रेड रिबन क्लब की उन्मुखीकरण बैठक संपन्न



खैरागढ़ (दावा)। रानी रश्मिदेवी सिंह शासकीय महाविद्यालय खैरागढ़ में 30 अगस्त शुक्रवार को रेड रिबन क्लब की वार्षिक उन्मुखीकरण बैठक प्रभारी प्राचार्य डॉ. जितेन्द्र साखरे, रेडक्रास प्रभारी जे.के. वैष्णव, रेड रिबन क्लब प्रभारी प्रो. सुरेश आडवानी की उपस्थिति में संपन्न हुआ। प्रभारी प्राचार्य डॉ. जितेन्द्र साखरे ने कहा कि वर्तमान समय में एच.आई.वी.एड्स का खतरा बढ़ता जा रहा है, जो अपने विभिन्न तरह के रोगों का शिकार हो जाता है। अतः जागरूकता एवं बचाव ही इसका उपाय है। रेडक्रास प्रभारी जे.के.वैष्णव ने छात्र-छात्राओं को

संबोधित करते हुए कहा कि एच.आई.वी.एड्स कैसे होता है एवं इसके सुरक्षा एवं बचाव के बारे में समस्त छात्र-छात्राओं को विस्तार पूर्वक बताया साथ ही सुरक्षा एवं बचाव ही इस एक मात्र इलाज है। एच.आई.वी.एड्स कैसे होता है इसके संबंध में जाने एवं समाज में इसके बचाव के लिये जागरूकता

फैलाएँ। साथ ही भारतीय जीवन शैली अनुसार जीवन जीने पर हम किसी भी प्रकार के बीमारी से हम ग्रस्त नहीं होंगे। रेड रिबन क्लब के महत्व को बताते हुए जागरूकता संबंधी निबंध प्रतियोगिता, प्रश्नोत्तरी, रंगोली, स्लोगन, रैली आदि प्रतियोगिताओं के माध्यम से जागरूकता संबंधी जानकारी प्रदान की। रेड रिबन क्लब प्रभारी प्रो. सुरेश आडवानी ने कहा है, कैसे होता है इस संबंध में विस्तार पूर्वक छात्र-छात्राओं को बताया एवं उन्होंने कहा कि यदि समय रहते इस बीमारी का पता चल जाये तो इसका इलाज किया जाता है एवं मरीज स्वस्थ जीवन जी सकता है। सभी सरकारी अस्पतालों में इसका उपचार किया जाता है। इस अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले छात्र/छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के अधिकारी कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार प्रदर्शन प्रो. सुरेश आडवानी ने किया।

कल जिला स्थापना पर आकांक्षी जिला अंतर्गत संपूर्णता कार्यक्रम

मोहला (दावा)। जिला स्थापना दिवस 2 सितंबर के अवसर पर आकांक्षी जिला के अंतर्गत संपूर्णता अभियान कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय दशरथ मैदान मोहला में प्रातः 11:00 बजे से आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकसभा क्षेत्र राजनांदगांव के सांसद संतोष पाण्डेय होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक मोहला मानपुर इंद्रशाह मंडवी करेंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में विधानसभा खुज्जी के विधायक भोला राम साहू उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम में जिला पंचायत के अध्यक्ष श्रीमती गीता घासी साहू, जनपद पंचायत मानपुर के अध्यक्ष दिनेश शाह मंडवी, जनपद पंचायत मोहला के अध्यक्ष लगन राम चंद्रवंशी, अध्यक्ष जनपद पंचायत अंबागढ़ चौकी, श्रीमती कुमारी बाई जुरेशिया, अध्यक्ष नगर पंचायत अंबागढ़ चौकी श्रीमती विद्या रमेश तामकार, जिला पंचायत सदस्य नरसिंह भण्डारी, श्रीमती राधिका अंधारे, अरुण कुमार यादव, वीरेंद्र कुमार मसीया, राम भगवान चंद्रवंशी, सरपंच ग्राम पंचायत मोहला श्रीमती सरस्वती ठाकुर उपस्थित रहेंगे।

24वीं राज्य स्तरीय शालेय फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए जिले से अथर्व सिंह का चयन

खैरागढ़ (दावा)। राज्य स्तरीय शालेय फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए केसीजी जिले से अथर्व सिंह का चयन। वे 24वीं राज्य स्तरीय शालेय फुटबॉल प्रतियोगिता 1 सितंबर से 4 सितंबर तक अंबिकापुर (सरगुजा) में आयोजित होगी। जिसमें दुर्ग शिक्षा संभाग की टीम में जिला केसीजी के वेसलियन इंग्लिश मिडियम के कक्षा 9वीं में अध्ययनरत छात्र फुटबॉल खिलाड़ी अथर्व सिंह पिता अभिलेख सिंह का चयन जिला बालोद में आयोजित संभागीय प्रतियोगिता से राज्यस्तरीय प्रतियोगिता हेतु दुर्ग संभाग की टीम में हुआ। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में सम्मिलित होने हेतु टीम जनरल मैनेजर किशोर मेहरा जिला क्रीड़ा अधिकारी बालोद के नेतृत्व में 30



अगस्त को दुर्ग अंबिकापुर ट्रेन से रवाना हुए। कोरोनाकाल में छोटे बच्चों को फुटबॉल के हुनर सिखाने वाले उभरते कोच लौकीर कुरेशी और एनडीएससी क्लब के कप्तान शिवांश बहादुर सिंह बाबा को अथर्व अपना आयडल मानते हैं। वे अपने इस उपलब्धि का श्रेय अथर्व सिंह कन्हैया पटेल, जिला क्रीड़ा अधिकारी जिला केसीजी, न्यू दन्तेश्वरी स्पोर्टिंग क्लब के

कोच जमीर कुरेशी को देते हैं। बता दें कि अथर्व सिंह के पिता अभिलेख सिंह वर्तमान में सहायक ग्रेड 2 के पद पर जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय जिला केसीजी में कार्यरत हैं, जो अपने समय के जाने-माने फुटबॉल खिलाड़ी, कप्तान और क्लब के सचिव तथा वर्तमान में सक्रिय सदस्य हैं। अथर्व की माता नीतू सिंह व्यायाम शिक्षक के पद पर स्थानीय सेजेंस कन्या शाला में कार्यरत हैं। केसीजी जिला पत्रकार संघ के उपअध्यक्ष व विधायक प्रतिनिधि यतेंद्रजीत सिंह 'छोट्टे' के भतीजे हैं। अथर्व के इस उपलब्धि पर न्यू दन्तेश्वरी स्पोर्टिंग क्लब के सदस्यों, मित्रों एवं वेसलियन इंग्लिश मिडियम स्कूल के प्राचार्य एवं मसीह तथा शिक्षकों ने बधाई दी।

पटवारी से दुर्व्यवहार कर जान से मारने की धमकी, रिपोर्ट दर्ज

डोंगरगाढ़ (दावा)। ऋण पुस्तिका गुमने तथा दूसरी पुस्तिका बनाने के नाम पर एक युवक करते हुए उसे जान से मारने की धमकी दिए जाने का मामला प्रकाश में आया है। शिकायत पर पुलिस फ आरपी के रिटलानफ अपराध दर्ज कर विवेचना में लिया है।

10/3 ग्राम मड़ियान तहसील राजस्व निरीक्षक मंडल लालबहादुर नगर में पटवारी के पद पर पदस्थ है। 29 अगस्त को दोपहर लगभग 2 बजे ग्राम मड़ियान के पंचायत भवन में ग्राम की कोटवारी पुनिया बाई व गांव के ही निवासी शंभु साहू, नोहर सिंह कंवर तथा अन्य ग्रामीणों की उपस्थिति में फसल की जानकारी गिरदावरी, आय-जाति, निवास के कार्य हेतु ग्रामीण इकट्ठा हुए थे। इसी दौरान ग्राम मड़ियान में रहने वाला नारायण कंवर वहां पहुंचा और अपनी ऋण पुस्तिका गुम हो जाने की जानकारी दी। आरोपी नारायण कंवर दुस्लीकेट ऋण पुस्तिका बनाने के लिए दबाव बनाने लगा। आरोपी नारायण कंवर ने गाली-गलौच करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

चिचोला पुलिस के सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी नीरज हुमें उम्र 44 वर्ष निवासी सेठेनीनगर राजनांदगांव ने थाने में दर्ज कराई गई शिकायत में बताया कि वह पटवारी हल्का नंबर

गोस्वामी तुलसीदास जन्मोत्सव का प्रथम दिवस सानंद संपन्न



डोंगरगांव (दावा)। दो दिवसीय जिला स्तरीय गोस्वामी तुलसीदास जन्मोत्सव का प्रथम दिवस सांकरदाह्या में सफलता के समन्वय हुआ। आयोजन में प्रातः श्री सत्यनारायण जी की स्थापना पं. शतानंद दुबे के मंत्रोच्चारण व मानस दंपति तामेश्वर प्रसाद साहू व टेलेश्वरी साहू, कबीरमठ नाटिका के माध्यम से संपन्न हुआ। ध्वजारोहण कबीर मठ नाटिका द्वारा किया गया। ध्वजारोहण के पश्चात् उद्घाटन समारोह में श्री तुलसी मानस प्रतिष्ठान के प्रांतीय अध्यक्ष गोपाल वर्मा ने अपने उद्घोषण में सगुण और निर्गुण के आश्रय से ईश्वर को प्राप्त करने को तुलसी का मार्ग बताया। उन्होंने कहा कि सगुण निर्गुण में कोई भेद नहीं है। धर्माधिकारी सत्येंद्र साहब ने तुलसी जी के जीवनी अपने विचार रखे व आचार्य मंगल साहब ने कहा कि हमें सदैव सही मार्ग में चलने का प्रयास करना चाहिए जो त्रुटि हूँ उससे सीखना चाहिए। संरक्षक कुलबीर खंबड़ ने कहा कि हमें रामायण को हर घर में पहुंचाने का प्रयास करना है। उन्होंने कहा कि हमने मानस की प्रतियां बांटने की तैयारी कर ली है। इसके पश्चात मानस वंदना आदर्श महिला भजन मंडली द्वारा किया गया प्रथम दिवस के इस आयोजन में हरिदस

छत्तीसगढ़ में 6 आईएस अफसरों के विभाग बदले, इधर 4 आईपीएस को मिली पोस्टिंग

रायपुर। राज्य शासन ने छह आईएस अफसरों के विभागों के प्रभार में फेर बदल किया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी किया। जारी आदेश के अनुसार निहारिका बारिक प्रमुख सचिव, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार विकास आयुक्त, प्रमुख सचिव, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग को उनके वर्तमान प्रभारों के साथ-साथ महानिदेशक, ठाकुर प्यारलाल राज्य पंचायत एवं ग्रामीण विकास संस्थान का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। हिमशिखर गुप्ता सचिव, खेल एवं युवा कल्याण विभाग को उनके वर्तमान प्रभारों के साथ-साथ सचिव, गृह एवं जेल विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। चंदन कुमार विशेष सचिव, वित्त विभाग तथा अतिरिक्त प्रभार विशेष सचिव, सामान्य प्रशासन विभाग, विशेष सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को उनके वर्तमान प्रभारों के साथ-साथ निर्यंत्रक खाद्य एवं औषधी प्रशासन का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। राजेन्द्र कुमार कटार संचालक, राज्य शैक्षिक एवं अनुसंधान परिषद तथा अतिरिक्त प्रभार मिशन संचालक, राज्य साक्षरता मिशन, मिशन संचालक, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान को उनके वर्तमान प्रभारों के साथ-साथ प्रबंध संचालक, पाठ्य पुस्तक निगम का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। कुलदीप शर्मा प्रबंध संचालक, पाठ्य पुस्तक निगम एवं अतिरिक्त प्रभार निर्यंत्रक, खाद्य एवं औषधी प्रशासन तथा रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं को रजिस्ट्रार, सहकारी संस्थाएं के पद पर पदस्थ किया गया है।

4 आईपीएस अफसरों को मिली पोस्टिंग

राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ के 4 आईपीएस अफसरों को पोस्टिंग आदेश जारी किया है। इन अधिकारियों ने अपने सेकंड राउंड की ट्रेनिंग पूरी कर ली है। अब वे नगर पुलिस अधीक्षक (सीएसपी) की जिम्मेदारी संभालेंगे। गृह विभाग की ओर से जारी आदेश के मुताबिक आकाश श्रीश्रीमाल को जगदलपुर, अजय कुमार को झिबल लाइन रायपुर, अक्षय प्रमोद सबनद्रा को बिलासपुर और विमल कुमार पाठक को दरी कोरवा की जिम्मेदारी दी है।

कलेक्टर एस. जयवर्धन की अध्यक्षता में छात्रावास अधीक्षक भर्ती परीक्षा हेतु दिया गया प्रशिक्षण

मानपुर-औंधी क्षेत्र के परीक्षार्थी खड़गांव परीक्षा केन्द्र जाने के लिए परिवर्तित मार्ग का उपयोग करें



मोहला (दावा)। व्यापम द्वारा आयोजित होने वाली छात्रावास अधीक्षक भर्ती परीक्षा की तैयारी मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी जिले में प्रारंभ हो चुकी है। जिले के सभी 19 केन्द्रों के केंद्राध्यक्षों एवं पर्यवेक्षकों को कलेक्टर एस. जयवर्धन की अध्यक्षता में 30 अगस्त को गहन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कलेक्टर एस. जयवर्धन द्वारा प्रशिक्षण के दौरान सभी अधिकारी कर्मचारियों को परीक्षा में बिना कोई त्रुटि एवं पूरी दक्षता से कार्य करने हेतु तथा परीक्षार्थियों को आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराने निर्देशित किया गया। इस परीक्षा में जिले के 19 केन्द्रों में कुल 5502 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे। परीक्षा में परीक्षार्थियों को बिना मूल पहचान पत्र एवं प्रवेश पत्र के परीक्षा कक्ष में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। परीक्षा समय 12:00 बजे से 2:15 तक है। 12:15 बजे के बाद किसी भी परीक्षार्थी को परीक्षा कक्ष में प्रवेश नहीं दिया जाएगा। सभी परीक्षार्थी अपने परीक्षा केन्द्रों का पूर्व से ही निरीक्षण कर लें ताकि परीक्षा के दिन कोई अस्ुविधा न हो। साथ

ही जिले के मानपुर-औंधी क्षेत्र के परीक्षार्थी खड़गांव परीक्षा केन्द्र जाने के लिए परिवर्तित मार्ग का उपयोग कर खड़गांव परीक्षा केन्द्र जा सकते हैं। प्रशिक्षण में व्यापम के जिला नोडल अधिकारी अविनाश ठाकुर, जिला समन्वयक पुरुषोत्तम लाल साहू, मास्टर ट्रेनर सईद कुरेशी तथा भूपेंद्र मिश्रा ने केंद्राध्यक्ष, पर्यवेक्षक, वीक्षक एवं उडनदस्ता के दायित्व को बहुत ही विस्तार से बताया। परीक्षा में विशेष निगरानी रखने के लिए उडनदस्ता दल के प्रमुख जिले के अधिकारी अविनाश ठाकुर, जिला भुआर्य एवं अमित नाथ योगी उपस्थित रहे।

नीरज विद्या मंदिर का छात्र संयोग दीक्षित राज्य खेल स्पर्धा में चयनित

डोंगरगांव (दावा)। नगर की प्रतिष्ठित शिक्षण संस्था नीरज विद्या मंदिर (सीबीएसई) मोहड़ के छात्र राज्य खेल स्पर्धा के लिए चयनित हुए हैं।



कक्षा-ग्यारहवीं विज्ञान में अध्ययनरत संयोग दीक्षित पिता राजलौटन दीक्षित आगामी दिनों में जांजगीर-चांपा में आयोजित राज्य स्तरीय हैडरॉल (अंडर - 19) में संस्था का प्रतिनिधित्व करेंगे यह स्पर्धा 1 सितंबर से 4 सितंबर तक आयोजित है। इसके पूर्व उक्त छात्र ने जौन लेवल में आयोजित स्पर्धा में श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्रीमती पुष्पा बाजपेयी ने इस उपलब्धि के लिए छात्र संयोग को बधाई देते हुए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं और कहा कि आज के दौर में खेल जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है और खेल को बेहतर बनाते हुए विद्यार्थियों को इसका लाभ उठाने कहा। उक्त छात्र को इस शानदार उपलब्धि पर विद्यालय के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स इंजी. नीरज बाजपेयी, रितेश शर्मा, नीरज कोटडिया, श्रीमती सोनल बाजपेयी, समीर पोद्दार, इंजी. दिलीप तिवारी, रितेश शर्मा, नीरज कोटडिया, श्रीमती कुंतल बाजपेयी एवं प्रशासक जी. राम सिन्हा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए अपनी-अपनी शुभकामनाएं दीं। यह जानकारी एक विज्ञापन में खेल शिक्षक लक्ष्मण राव कदम ने दी।

मचानपार में डायरिया का प्रकोप

डोंगरगांव (दावा)। जिला पंचायत के पूर्व अध्यक्ष दिनेश गांधी ने ब्लाक के अधीन आने वाले ग्राम मचानपार पहुंच कर डायरिया पीड़ित मरीज से मुलाकात किया। उन्होंने मेडिकल सुविधाओं का जायजा लेते हुए स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को बेहतर मेडिकल सुविधा प्रदान करने के निर्देश दिए।

भाजपा नेता गांधी ने डायरिया पीड़ितों का जाना हाल, मेडिकल टीम को दिए निर्देश



मेडिकल टीम को कार्यरत 6 कर्मचारी आज शासन नियमों के अधीन सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को निगम सभागृह में आयुक्त अभिषेक गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित विदाई समारोह में नेता प्रतिपक्ष किशुन युट्टू, चिखल पाण्डे शिव वर्मा, उपायुक्त मोहन अली, कार्यपालन अभियंता यू.के. रामटेके सहित उनके परिजनों की उपस्थिति में भावपूर्वक विदाई दी गयी।

से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। मेडिकल टीम को ग्रामीण जनों के इलाज के बेहतर सुविधा के लिए आवश्यक निर्देश दिए। ग्रामीण जनों के मांग पर श्री गांधी ने ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी से बात कर पंचायत में ही 2 बेड की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। श्री गांधी ने ग्रामीण जनों को बताया कि गंदे पानी का सेवन न करे और पानी को उबालकर पीए जिससे डायरिया फैलने को रोका जा सके। उन्होंने सभी के जल्द स्वस्थ होने की कामना की।

निगम के आधा दर्जन कर्मचारी हुए सेवानिवृत्त, दी गई भावपूर्वक विदाई

राजनांदगांव (दावा)। नगर निगम के विभिन्न विभागों में कार्यरत 6 कर्मचारी आज शासन नियमों के अधीन सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को निगम सभागृह में आयुक्त अभिषेक गुप्ता की अध्यक्षता में आयोजित विदाई समारोह में नेता प्रतिपक्ष किशुन युट्टू, चिखल पाण्डे शिव वर्मा, उपायुक्त मोहन अली, कार्यपालन अभियंता यू.के. रामटेके सहित उनके परिजनों की उपस्थिति में भावपूर्वक विदाई दी गयी।



कार्यक्रम में आयुक्त सहित उपस्थितजनों ने जल प्रदाय विभाग में वाल्वमैन के पद पर कार्यरत खुमान सिंह साहू, टा.प्यारिलाल स्कूल में भूय के पद पर कार्यरत श्रीमती सुधा ठाकुर, स्वास्थ्य विभाग में भूय के पद पर कार्यरत खेमलाल यादव, लोककर्म विभाग में मजदूर के पद पर कार्यरत बोधनलाल व श्रीमती रामकली साहू तथा सफाई कामगार सुश्री तुलसा बाई

ये अपने परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत करें। वरिष्ठ पाण्डे श्री वर्मा ने कहा कि अपने जीवन का लंबा सफर तय कर आज सेवानिवृत्त हो रहे हैं, आज से ये अपने पारिवारिक जीवन को आगे बढ़ाते तथा यह से जो भी रुशि मिलेगी उसका सदुपयोग ये परिवार के लिये करेंगे।

कमला कॉलेज में स्वामी विवेकानंद वेदांत साहित्य प्रदर्शनी का प्रभावी आयोजन

राजनांदगांव (दावा)। शासकीय कमला देवी राठी महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजनांदगांव में संस्था प्राचार्य डॉ. आलोक मिश्रा के प्रमुख संरक्षण में श्रीरामकृष्ण मठ पुणे एवं श्रीरामकृष्ण विवेकानंद सेवा समिति राजनांदगांव के संयुक्त तत्वाधान में श्रीरामकृष्ण-स्वामी विवेकानंद वेदांत साहित्य की एक दिवसीय प्रदर्शनी सहायिका का सफल प्रभावी आयोजन किया गया।



आयोजन प्रभारी प्राध्यापक डॉ. कृष्ण कुमार द्विवेदी ने विशेष रूप से बताया कि श्रीरामकृष्ण मठ पुणे द्वारा स्वामी विवेकानंद के वेदांत साहित्य के व्यापक प्रचार-प्रसार के लिए तैयार किए गए आकर्षक वाहन, श्रेष्ठ सहज सुलभ व्यवस्था तथा अति विनम्र मिशन प्रशिक्षित, समर्पित कार्यकर्ता विवेकानंद की प्रशंसा करते हुए बताया कि समग्र प्रदर्शनी महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के साथ-साथ प्राध्यापकों एवं शिक्षाकर्मियों के लिए अत्यधिक उपयोगी तथा व्यापक रूप से सतत परिष्कार और रचनात्मक समृद्धि के लिए स्वामी जी के विचार-संदेश एवं एक-एक पुस्तक अतिशय लाभकारी है।

प्राध्यापक डॉ. ओमप्रकाश गुप्ता, एनसीसी/एनएसएस प्रभारी श्रीमती रामकुमारी धूवा, श्रीमती तारा ठाकुर एवं अन्य प्राध्यापकों के संरक्षण, सानिध्य एवं मार्गदर्शन में प्रत्यक्ष लाभ उठाना तथा यथायोग्य मनवांछित पुस्तकें क्रय भी की। उल्लेखनीय रूप से वेदांत साहित्य प्रदर्शनी के कार्यकारी स्वयंसेवक विवेकानंद द्वारा इस अवसर पर विवेकानंद साहित्य की प्रतियां और महाविद्यालय में स्थायी प्रदर्शन के लिए स्वामी जी के भव्य चित्र को प्राचार्य डॉ. मिश्रा को भेंट प्रदान किया गया। सफल आयोजन के लिए प्रभारी प्राध्यापक डॉ. द्विवेदी ने आयोजक संस्थाओं के प्रति आभार प्रदर्शन किया।

छत्तीसगढ़ पेरेंट्स एसोसिएशन ने कलेक्टर व डीईओ को लिखा पत्र

अंबागढ़ चौकी (दावा)। हाल ही में स्वामी आत्मानंद हिंदी व अंग्रेजी माध्यम मानपुर में शिक्षा और व्यवस्था गत में जाने के कारण है, सुबह साढ़े सात बजे से क्लास लगने की शुरुआत होती है, ऐसा पहली बार नहीं हुआ है, कई दिनों से ही चपरासी के ही द्वारा प्रार्थना कराया जाता है।

नहीं होने वाले शिक्षक शिक्षिकाओं के कारण सरकार की महत्वाकांक्षी योजना स्वामी आत्मानंद स्कूल और शिक्षा विभाग की छवि धूमिल हो रही है, वही एसोसिएशन ने स्वामी आत्मानंद स्कूल के जिम्मेदार लोगों पर जांच कर सख्त कार्यवाही करने पर लिखा है।

शा. दिग्विजय महाविद्यालय के क्रीड़ा विभाग द्वारा खेल दिवस मनाया गया

राजनांदगांव (दावा)। शा. दिग्विजय महाविद्यालय के क्रीड़ा विभाग द्वारा खेल दिवस मनाया गया। प्रारंभ में माँ सरस्वती तथा ध्यानचंद के तैलचित्र पर मान्यारूपण के साथ ही कार्यक्रम प्रारंभ हुआ।



इस आयोजन के मुख्य अतिथि के राजेश्वर राव, एन.आई.एस. कोच बास्केटबाल, कार्यक्रम की अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. अंजना ठाकुर तथा विशिष्ट अतिथि डॉ. दिनेश नामदेव संचालक शारीरिक शिक्षा हेमचंद्र यादव विश्वविद्यालय दुर्गा तथा परेश वर्मा क्रीड़ा अधिकारी शासकीय शिवनाथ विज्ञान महाविद्यालय, राजनांदगांव थे। कार्यक्रम प्रारंभ में डॉ.शैलेन्द्र सिंह द्वारा खेल दिवस की शुरुआत तथा उसके इतिहास की जानकारी प्रदान की गई तथा मेजर ध्यानचंद की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया। प्राचार्य डॉ.अंजना ठाकुर ने कहा कि ऐसे महान विभूतों के जन्म दिवस को खेल दिवस के रूप में मनाने का हमें अवसर प्राप्त हो रहा है। ये हमारे लिए गौरव की बात है। हमें उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। परेश वर्मा द्वारा खेल दिवस की शुभकामनाएं प्रदान की गई। दिनेश नामदेव ने कहा कि स्वस्थ मन तथा स्वस्थ तन हमारे जीवन के लिए उपयोगी है। खेलों को हमें अपने जीवन अंग बनाना चाहिए। नियमित व्यायाम तथा सही दिनचर्या से हम स्वस्थ रहते हैं, जो हमारे जीवन के लिए आवश्यक है।

सामाजिक सुरक्षा पेंशन हेतु वार्डों में शिविर

राजनांदगांव (दावा)। नगर निगम द्वारा प्रति माह पेंशन का भुगतान वार्डों में शिविर लगाकर किया जाता है। इसी कड़ी में हितग्राहियों को माह जून 2024 का पेंशन भुगतान के लिये वार्डों में 16 अगस्त से 9 सितंबर तक प्रातः 11:30 बजे से दोपहर 4 बजे तक शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिसके तहत 2 सितंबर को महावीर वार्ड नं. 37 के लिये 2 सितंबर को मंगलवारी वार्ड नं. 38 के लिये पाण्डे कार्यालय ब्रह्मण पारा में, हीमामती वार्ड नं. 39 के लिये सार्वजनिक भवन नागेश्वर मंदिर में, 3 सितंबर को रविदास वार्ड नं. 20 के लिये फेन्डी स्कूल में, मेडिकल कलेज वार्ड नं. 21 के लिये आंगनाबाड़ी केन्द्र फेन्डी में रेवाडीह आशानगर वार्ड नं. 22 के लिये रेवाडीह स्कूल में एवं 4 सितंबर को पूरु गोविंद सिंह वार्ड नं. 24 के लिये सिंधु भवन लालबाग में आयोजन किया गया है। शेष वार्डों के लिये भी शिविर का आयोजन किया जायेगा।

आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के माध्यम से वात-व्याधियों का इलाज

राजनांदगांव (दावा)। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के माध्यम से जिले में विभिन्न प्रकार की वात-व्याधियों का इलाज किया जा रहा है। शासन के आयुष मिशन के तहत आरिस्टोअर्थराइटिस एवं मास्क्युलर डिसऑर्डर के पायलेट प्रोजेक्ट के रूप में आयुष पॉली क्लीनिक आयुष विभाग में जनसामान्य का निःशुल्क उपचार किया जा रहा है। इसके अंतर्गत वात-व्याधियों, वात रक्त, स्पाइडलाइटिस, ऐंड़ी में दर्द के लिए जनसामान्य में जागरूकता, रोकथाम एवं उपचार के लिए कार्य किया जा रहा है। असम्यक्त जीवन शैली एवं कार्यशैली के कारण यह व्याधि होती है। इसके लक्षण दिखाई देने पर तुरंत इलाज करने से तथा जीवन शैली एवं कार्य शैली में आवश्यक बदलाव किया जाए, तो इस व्याधि के आगे बढ़ने, शल्य क्रिया एवं दवायुगता से हानि हट तक बचाव किया जा सकता है। जिला आयुष अधिकारी डॉ. शिल्पा पाण्डेय के मार्गदर्शन में अर्थाईटिस की रोकथाम के लिए अख्यक कार्य किया जा रहा है।

राजनांदगांव सेन ने बताया कि उनके घुटने में दर्द था और पिछले कुछ दिनों से यहाँ इलाज करा रहे हैं। उन्होंने बताया कि पहले घुटने में दर्द के कारण बैठने में तकलीफ हो रही थी। दवाई और काढ़ा से आराम मिला है। चिखली निवासी श्रीमती गायत्री यादव ने बताया कि उन्हें दो साल से कमर से लेकर पैर तक दर्द होता था और वह पिछले चार माह से यहाँ इलाज करा रही है। अब उन्हें लगभग 90 प्रतिशत आराम मिला है। दवाई और मसाज से ज्यादा अच्छा फायदा मिला है। पहले घरेलू कार्य करने में उनको समस्या हो रही थी। उन्होंने बताया कि इलाज के बाद अब राहत मिली है।

उल्लेखनीय है कि जीवन शैली ठीक नहीं होने के कारण सर्वाइकल स्पाइडलाइटिस, फ्रोजेन शोल्डर, आरिस्टोअर्थराइटिस एवं ऐंड़ी का दर्द जैसी बीमारियां हो रही हैं। प्रतिदिन घंटों लगातार कम्प्यूटर पर काम करने, टीवी देखना, पढ़ना या अन्य कार्य जिसमें दर्द को लम्बे समय तक झुकाना पड़ता है, गलत तरीके से सोना या ऊँचे तकिये का उपयोग भविष्य में सर्वाइकल स्पाइडलाइटिस का कारण हो सकता है। जिससे गर्दन में दर्द जकड़वाहट चक्कर आने की शिकायत हो सकती है। एक या दोनों हाथों के कंधे में दर्द व सम्यक गति का न होना प्रोजेन शोल्डर कहलाता है। इसमें कंधे के ऊपरी बॉल में दर्द, मांसपेशी में जकड़न, जिससे दैनिक कार्य करने में कठिनाई होती है। आरिस्टोअर्थराइटिस में एक या अधिक जोड़ों में लगातार या रूक-रूक कर दर्द, पैरों को मोड़ने एवं जमीन पर बैठने में परेशानी एवं जोड़ों में जकड़वाहट होती है, ये प्रायः अधिक उम्र के लोगों में देखा जाता है। रंगी सिंघाड़, मखाना दूध से बने पदार्थ जिनमें कैल्शियम अच्छी मात्रा में हो का सेवन करें। गोघृत, लहसुन, अजवायन, हल्दी, सोठ, मेथी का प्रयोग लाभप्रद है। साथ ही चिकित्सक की सलाह से योग व व्यायाम करें। वाकॉटक या प्लानर फेशिआइटीस में ऐंड़ी वगैरे के निचले हिस्से में सुबह सोकर उठने पर असहनीय दर्द एवं असमर्थता होती है। इसके लिए आयुर्वेद औषधियां अभ्यंग, अग्निक्म प्रभावी है। साथ ही आरामदायक जूते चप्पल पहनें।

चातुर्मास पर्व पर आध्यात्मिक दिव्य सत्संग एवं शिक्षक सम्मान समारोह पांच को

राजनांदगांव (दावा)। जिला राजनांदगांव के सुकुलदेहान समीपस्थ ग्राम पेंडरी में एतिहासिक सद्गुरु कबीर मंदिर/आश्रम पेंडरी में चातुर्मास पर्व पर आध्यात्मिक दिव्य सत्संग एवं शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन आगामी 5 सितम्बर दिन गुरुवार को दोपहर 01 बजे से प्रारंभ किया जाएगा। ज्ञात हो कि एतिहासिक सद्गुरु कबीर मंदिर/आश्रम- पेंडरी में विगत सात-आठ वर्षों से गुरु पूर्णिमा महोत्सव से चातुर्मास पर्व पर आध्यात्मिक दिव्य सत्संग का आयोजन किया जाता है, इनके साथ ही प्रत्येक माह/पखवाड़ा पर विशेष पर्वों पर अलग-अलग आयोजन होता रहता है।

इसी कड़ी पर आगामी दिनांक 05 सितम्बर को भारत देश के पूर्व राष्ट्रपति डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्मदिन पर शिक्षक दिवस सद्गुरु कबीर आश्रम पेंडरी में चातुर्मास आयोजन समिति द्वारा वृहद रूप से शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन रखा गया है। क्योंकि मनुष्य के जीवन में ज्ञान का बहुत अधिक महत्व है। ज्ञान के माध्यम से ही मनुष्य अपने समाज तथा अन्य चीजों के बारे में जानकारी प्राप्त कर पाता है। यह ज्ञान केवल किताबी ज्ञान तक ही सीमित नहीं है, अपितु जीवन जीने का तरीका, संस्कार, मानव मूल्य, विचार करने की क्षमता तथा कठिनाइयों का समाधान करने का साहस आदि भी इस ज्ञान के भीतर समाहित है। जब उसके भीतर ये गुण निहित हो। मनुष्य को ज्ञान प्राप्त करने के लिए एक माध्यम की आवश्यकता होती है, उसके जीवन में इस माध्यम का कार्य शिक्षक करता है। इसलिए कहा जाता है कि- 'गुरु ब्रह्म गुरु विष्णु, गुरु देवोः महेश्वरः। गुरु साक्षात् पर ब्रह्म, तस्मै श्री गुरुवे नमः॥' मानव की सबसे पहली शिक्षक उसकी माता पिता होती है जो एक बच्चे को चलना सिखाने से लेकर, बड़े होने तक मानव मूल्यों और संस्कार की जानकारी प्रदान करती है। माता के साथ ही पिता उसे जीवन में कैसे संघर्ष करना है तथा जीवन संघर्ष के साथ अपने परिवार का ध्यान कैसे रखना है कि शिक्षा प्रदान करता है। यदि ये कहा जाये कि मनुष्य के माता पिता ही उसके पहले गुरु हैं तो इसमें कोई संदेह नहीं होगा। इसके पश्चात मनुष्य स्कूल में जाता है, जहाँ परंपरागत शिक्षा प्रदान करता है। विद्यालय में परंपरागत के साथ ही साथ जीवन में आगे चलकर काम आने वाली वास्तविक शिक्षा का भी बोध कराया जाता है। इस शिक्षा को एक गुरु के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है। छात्र एक गीली मिट्टी के समान होते हैं, उन्हें कुम्हार की आकर देना एक शिक्षक का ही कार्य है, इसलिए ही सद्गुरु कबीर साहेब जी कहते हैं कि - 'गुरु कुम्हार शिक्षक कुंभ है'

गदि-गदि काढ़े खोट। अंतर हाथ सहरा दे, बाहर मारे चोट।।'

गुरु द्वारा प्रदान की गई शिक्षा, अनुभव, ज्ञान तथा संस्कार के प्रति कृतज्ञता दर्शाने के लिए हमारे देश में हर साल शिक्षक दिवस 05 सितम्बर को मनाया जाता है। हमारे देश की शुरुआत 05 सितम्बर 1962 को की गई थी। यह दिवस देश के दूसरे पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जन्म दिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। एक बार डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन, छात्रों ने उनके जन्म दिवस मनाने की जिद की थी, तब डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने अपने जन्म दिवस को शिक्षक दिवस के रूप में मनाने के लिए कहा जाता था। तब से ये दिन शिक्षक दिवस के रूप में मनाया जाता है। ये दिन देश सभी शिक्षकों को उनके योगदान के लिए समर्पित किया जाता है। इस शुभ पावन अवसर पर परम पूज्य महात्मा लेखचंद साहेब ज्योति कुंज कबीर आश्रम मुरमुंदा कुम्हारी दुर्गा के सानिध्य में होगा। चातुर्मास आयोजन समिति के संरक्षक गुलाब वर्मा वरिष्ठ समाजसेवी एवं अध्यक्ष- नरबद वर्मा, साथ ही साथ सद्गुरु



कबीर सत्संग सेवायोग आश्रम पेंडरी के अध्यक्ष फलेश कुमार साहू और मंहर श्री सेवा दास साहेब के दिशा निर्देश में आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम में सर्वप्रथम सद्गुरु कबीर साहेब जी के दिव्य मूर्ति पर पूजा अर्चना, फूल माला पहनाकर की जावेगी।

आध्यात्मिक दिव्य सत्संग भजन उपरांत परम पूज्य महात्मा लेखचंद साहेब के पावन करकर्मलों द्वारा साथ ही साथ आमंत्रित अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति पर वृहद रूप से सभी शिक्षकों की सम्मति की जावेगी। जो कि इस प्रकार से है - मानस साहू, व्याख्याता शासकीय हाईस्कूल गाड़ागाट, गोकुल दास जंघेल व्याख्याता राज्य पुरस्कार से सम्मानित शासकीय हाईस्कूल सेंदरी डोंगरगढ़, टीकम साव सेवानिवृत्त शिक्षक राज्य पुरस्कार से सम्मानित कन्हारपुरी राजनांदगांव, हंसराज साहू सेवानिवृत्त प्रधान पाठक डोंगरगढ़, हेमंत साहू व्याख्याता शासकीय उमावि टप्पा, कंचल राम साहू सेवानिवृत्त प्र.पाठक छोटे कुसमी डोंगरगढ़, मंशीर दास साहू सेवानिवृत्त व्याख्याता डोंगरगढ़, हेमंत कुमार साहू सेवानिवृत्त

पू मा शा सलतिकरी, श्रीमती लक्ष्मी साहू सहा शिक्षक प्राथमिक शाला पेंडरी, श्रीमती कौशल्या गौर प्रधान पाठक शासकीय प्रशासकीय शाला मोहरा, तामेशवर वर्मा प्रधान पाठक प्राथमिक शाला उकेवा, राजेश कुमार वर्मा प्रधान पाठक प्राथमिक शाला कसारी, श्रीमती शिल्पी साहू शिक्षक शासकीय पूर्व मा शा कसारी, श्रीमती निर्मला वर्मा शिक्षक शासकीय पूर्व मा शा पेंडरी, जागेंद्र वर्मा उच्च वर्ग शिक्षक शासकीय पूर्व मा शा पेंडरी, सुरज प्रसाद शासकीय शिक्षक शासकीय प्राथमिक शाला ईदामरा, परमानंद साहू प्रधान पाठक प्राथमिक शाला कन्हारडबरी, विष्णु राम साहू प्रधान पाठक प्राथमिक शाला पुजारी टोला, राजेंद्र कुमार साहू सहायक शिक्षक प्राथमिक शाला धिरशोली, लेखराम साहू बजरंगपुर नवागांव, कृष्ण कन्हैया दास वैष्णव सेवानिवृत्त प्रधान पाठक शासकीय पूर्व मा शा पेंडरी, छत्रलाल हिरवानी सेवानिवृत्त प्रधान पाठक सुखरी, बिसालिक वर्मा शिक्षक, मानसिंह साहू प्रधान पाठक शासकीय प्राथमिक शाला कोडेवा अर्जुन बालोद, भरतलाल कोटेलकर ग्राम केशाल प्रधान पाठक मातेखेडा छुरिया, शोरसिंह गौडिया प्रधान पाठक ग्राम कौलिपरी मातेखेडा छुरिया जैसे अनेकों शिक्षक वृंदजनों को सम्मानित किया जाना है। यह जानकारी सद्गुरु कबीर आश्रम पेंडरी के प्रबंधक योगदास साहू ने दी है।

जिला चिकित्सालय के महिनो बंद पड़ी सिटी स्कैन व एक्सरे मशीन, सुधार की गुंजाइश नहीं

राजनांदगांव (दावा)। बसंतपुर स्थित जिला चिकित्सालय परिसर में बारिश के दिनों में घुटनों तक भरने वाला पानी व सामने का बजबजाते हुए गंदा नाले का पानी अस्पताल में प्रवेश कर जाने से हर बरसात में अस्पताल का लाइव रूप का नुकसान होता है। हर बार बारिश के समय उपरोक्त स्थानों का पानी अस्पताल अन्दर घुस जाने से सिटी स्कैन व एक्सरे मशीन खराब हो जाती है। यहाँ तक कि ओटी तक पानी घुस जाने से मरीजों के आपरेशन बंद कर दिये जाते हैं। मरीजों के भर्ती वाले वार्डों तक बारिश का पानी भर जाने से साँप-बिच्छू तक तैरते देखा गया है। दीवारों में सीलन के चलते कंटेन भी फैल जाता है। लेकिन दिक्कत की बात यह है कि आज तक अस्पताल के सामने का उक्त गंदा व बजबजाते हुए बड़े नाले को डायवर्ट करने के लिए कभी सोचा गया है और न इसकी समुचित रूप से साफ-सफाई की और ध्यान दिया गया है। लिहाज उक्त नाले जिला चिकित्सालय के लिए मुसीबत का कारण बना हुआ है। उक्त बजबजाते हुए नाले में बड़े वेग से आने वाले गंदा पानी अस्पताल परिसर से होते हुए जिला चिकित्सालय में भरने सिटी स्कैन से लेकर एक्स-रे मशीन व ओटी के लिए समस्या बनी रहती है।

बंद पड़ा सिटी स्कैन व एक्सरे मशीन

बता दे कि उक्त गंदे नाले से जिला चिकित्सालय में भरने

बारिश के दिनों पानी प्रवेश ने किया जिला अस्पताल का बंधाधार, दीवारों में सीलन व सीपेज भी बनी समस्या

वले पानी से न केवल जिला अस्पताल के लोग परेशान हैं, आयुष विभाग के डॉक्टरों को उक्त गंदे नाले से उठने वाली बदबू से परेशानी झेलनी पड़ती है।

बता दें कि हस्पिटल में पानी भरने के कारण लगभग महिने भर से डिजिटल एक्सरे मशीन व सिटी स्कैन मशीन बंद पड़ा है। पिछले दिनों 21 लाख रूपए खर्च कर सिटी स्कैन का खराब हुए पार्ट को चेंज कराया गया। चूँकि उक्त कक्ष में अब भी सीलन बनी हुई है, इसके कारण रायपुर के एम.आर. ने उसे ठीक करने से हथ खड़ा कर दिया है। यही स्थिति एक्सरे मशीन की भी है। मशीन कक्ष की नालियों में अभी सीलन बना हुआ है। इससे इसे भी सुधार नहीं जा सका है। बता दें कि सिविल सो. डॉ. एम.के. दिवाकर के जमाने में 11 साल पहले उक्त डिजिटल एक्सरे मशीन को लगाया गया था। अब उसका एक्सपैरिडेट आ चुका है। जिसका बनाया जाना भी संभव नहीं है। ऐसे में बंद पड़े दोनों मशीनों के चलते मरीजों को सिटी स्कैन व एक्सरे करवाने भटकनी पड़ रही है। लोगों को मजबूरी में बाहर से हजारों रूपए खर्च कर सिटी स्कैन व एक्सरे करवानी पड़ रही है। एक मरीज ने बताया कि उसने सिटी स्कैन कराने साढ़े 12 सौ रूपए जिला चिकित्सालय में जमा



भटक रहे हैं सिटी स्कैन व डिजिटल एक्सरे कराने वाले मरीज

कर रखी है। इसी तरह और भी कई लोगों ने पैसे जमा करवा रखे हैं लेकिन मशीन बंद पड़े होने से उन्हें मजबूरी में बाहर से हजारों रूपए खर्च कर जांच करवानी पड़ी।

अस्पताल की ऊँचाई बढ़ाने का प्रयास

बताते चले कि सिविल सर्जन डॉ. के.के. जैन के समय लगभग साल भर पूर्व जिला चिकित्सालय का लाइव रूप खर्च कर अन्दर से लेकर बाहर तक रेनोवेसिंग का कार्य कराया गया। अन्दर के मेडिकल वार्ड सहित सामने प्रवेश द्वार तक अस्पताल को एक फीट उंचा

कराया गया। इसके बाद भी बारिश के दिनों में अस्पताल में भीतर तक पानी घुस जा रहा है। इसके अलावा अस्पताल के छत के उपर से भी पानी सीपेज होते रहती है। पच्ची के काउंटर के समीप छत से पानी टपकने पर नीचे बाल्टी लगानी पड़ती है। सिविल सर्जन डॉ. जैन ने अस्पताल में बार-बार पानी भरने से सिटी स्कैन व एक्सरे मशीन को उपर तल में ले जाने की बात कही थी लेकिन अब कहा जा रहा है कि इसमें 50 लाख का खर्च आया वहीं वर्तमान में एक्सरे कक्ष को उंचा किए जाने पर एक्सरे अपरेटरों द्वारा कहा जा रहा है कि इसके उंचा होने से मरीज को लिटाने वाला टेबल भी उंचा हो जाएगा।

इससे एक्सरे मशीन कवर नहीं कर पाएगा व किसी एंगल से फोटो नहीं ले सकेगा। इसमें लाखों रूपए खर्च के सिवाय और कुछ नहीं होने वाला है। बता दें कि मेडिकल कालेज हस्पिटल म सीटी स्कैन मशीन नहीं होने से मरीजों को जिला चिकित्सालय ही भेजा जाता है। यहाँ सिटी स्कैन व एक्सरे मशीन बंद होने से मरीज वह उनके परिजन परेशान हैं। मजबूरी में उन्हें निजी लैब में तीन से चार गुना पैसे खर्च कर जांच करवानी पड़ रही है। मरीजों के हो रहे सीधे नुकसान पर न तो विभाग का

नियंत्रण है और न लोगों की इस परेशानी की ओर किसी भी जनप्रतिनिधि का ध्यान जा रहा है।

भले ही कहा जा रहा है कि सिटी स्कैन मशीन इंस्टाल करने का प्रोसेस जारी है। जिसे सीजी एमएससी का मामला बताया जाता है। वहीं दूसरी ओर प्रोसेस देखने वाले का कहना है कि कक्ष में सीलन के चलते मशीन चालू नहीं हो सकती। वहीं डिजिटल एक्सरे को कुछ आवश्यक सामान बदलने पर ठीक हो जाएगा लेकिन वहाँ नमी होने के कारण फिर खराब हो सकती है।

एक्स-रे मशीन को ठीक करने साफ्ट वेयर व डिटेक्शन केबल को बदलने की जरूरत है लेकिन कक्ष में नमी होने के कारण फिर से खराब हो जाएगा। इसके लिए वहाँ के ड्रेनेज सिस्टम को ठीक करने की जरूरत है।

समल सुदीप मेडिसिटी जोनल - रायपुर

दोनों बंद मशीनों की इंजीनियर ने जांच की है। रिपोर्ट मिलने के बाद तय होगा कि मशीन चालू होगा की नहीं। हमें भी मरीजों की परेशानी की चिंता है।

- डॉ. यू. एस. चंद्रवंशी, सिविल सर्जन जिला चिकित्सालय - बसंतपुर (राज)

रायल कीड्स में बच्चे बने राधाकृष्ण



राजनांदगांव (दावा)। डॉ. जे.बी. सिंह मेमोरियल स्कूल में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पर्व धूमधाम से मनाया गया। पप्पाजी लाल शंकर बहदुर सिंह एवं जे.बी.सिंह की स्मृति में एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। मनोहारी वेशभूषा में छोटे-छोटे बच्चों ने द्वार युग में पहुंचने का मधुरम भान कराया। इस अवसर पर बच्चों ने राधाकृष्ण के परिधान में अपनी प्रस्तुतियां देकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। स्कूल के बच्चों ने भगवान कृष्ण एवं राधा माँ के जीवन और उनके उपदेशों पर आधारित नाटक, गाने और नृत्य प्रस्तुत किए। स्कूल की प्रधानाचार्य श्रीमती एकता खण्डेलवाल, सुषमा शुक्ला (सीजी) ने बच्चों को भगवान कृष्ण के जीवन और उनके संदेशों के बारे में बताया और उन्हें अच्छे जीवन मूल्यों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया।

संस्था अध्यक्ष श्रीमती डॉ. सविता जे.बी. सिंह, उपाध्यक्ष अशोक चौधरी, निदेशक संजय बहदुर सिंह, सावंत बहदुर सिंह, जन्मेजय बहदुर सिंह, श्रेयांशु बहदुर सिंह, एकेडमिक डायरेक्टर अभिषेक खंडेलवाल, बरसर आई.के. वैष्णव एवं शिक्षक शिक्षिकाओं ने कार्यक्रम के सफलतापूर्वक आयोजित होने पर एवं बच्चों के इसमें बढ़-चढ़कर भाग लेने पर खुशी जाहिर की है।

अवैध खनन पर राजस्व विभाग की कार्रवाई, मौके से तीन डंपर और एक जेसीबी जब्त

रेत के अवैध उत्खनन पर लगातार की जा रही है कार्रवाई - तहसीलदार मुकेश ठाकुर

डोंगरगढ़ (दावा)। रेत के अवैध उत्खनन पर रोक लगाने सक्रिय राजस्व विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए मौके से तीन डंपर और एक जेसीबी वाहन को जब्त किया गया है। जिन आरोपियों पर रेत के अवैध उत्खनन का मामला शनिवार को बनाया गया वे आरोपी पूर्व में भी ग्राम मुद्दयार में अवैध रेत खनन और भंडारण के दोषी पाए गए थे। तत्कालीन एसडीएम उमेश पटेल द्वारा कि गई कार्यवाही को लेकर आरोपियों ने संगठित होकर कांग्रेस और भाजपा के नेताओं का सहारा लेकर बवाल मचाया था।

ताजा मामला डोंगरगढ़ शहर के वार्ड नंबर 1 से लगे ग्रामीण क्षेत्र बड़ेरा भाटा का है। ग्रामीण लंबे समय से चल रहे अवैध खनन से परेशान हो कर प्रशासन से शिकायत की थी। लगातार की जा रही शिकायतों को संज्ञान में लेकर डोंगरगढ़ तहसीलदार मुकेश ठाकुर ने अपने अमले के साथ पहुंच कर कार्यवाही की। क्षेत्रवासियों की माने तो लंबे समय से चल रहे खनन और भारी वाहनों के आवा जाही से सड़क और पुल जर्जर हो चुके हैं और साथ ही खनन में लगे वाहनों से सड़क में दुर्घटना का खतरा



जेसीबी वाहन को जब्त किया गया है पूरे मामले में आज कार्यवाही में क्षेत्र से 3 डंपर और एक आगे की कार्रवाई जारी रहेगी।

रेत का अवैध खनन - बृजभूषण सिन्हा क्षेत्रवासी

क्षेत्रवासी बृजभूषण सिन्हा ने बताया कि रेत का अवैध उत्खनन 1 वर्ष पूर्व से किया जा रहा है। भारी वाहन के कमजोर सड़क पर चलने से मार्ग में जगह-जगह गड्डे हो गए हैं। वाहन चालक वाहन को रात दिन धूल उड़ाते हुए धड़ले से चला रहे हैं।

अवैध कारोबारियों के खिलाफ लगातार की जा रही है कार्रवाई - मुकेश ठाकुर, तहसीलदार

तहसीलदार मुकेश ठाकुर ने कहा है कि शिकायत पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। कुछ दिन पूर्व भी इसी क्षेत्र में दबीश दी गई थी। किंतु मौके पर कोई वाहन नहीं पाया गया। आज के कार्रवाई में बेलगांव निवासी लेखराम साहू और श्याम अग्रवाल की गाड़ियों को जब्त किया गया है। जिस पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

प्रशासन ने कार्रवाई करने में देरी की है

क्षेत्रवासी गोपी चक्रधारी ने बताया कि रेत के अवैध उत्खनन में संलग्न वाहन चालकों द्वारा मार्ग में चलने वाले ग्रामीणों की परवाह किए बिना लापरवाही पूर्वक वहां को चलते आ रहे हैं शिकायत के बावजूद प्रशासन की ओर से कार्रवाई में देरी की गई है।

महाराष्ट्रीयन तेली समाज की विर्सजन यात्रा....



राजनांदगांव (दावा)। महाराष्ट्रीयन तेली समाज ने बड़ी धूमधाम से श्री कृष्ण भगवान का विसर्जन इंदिरा सरोवर में किया।

आज अडिटोरियम में भव्य यादव मेला

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आयेंगे, मिकी माउस, जंपिंग, डेलवा गोल झूला, राइचुली झूला आदि होंगे

राजनांदगांव (दावा)। श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर जिला सर्व यादव समाज राजनांदगांव के तत्वाधान में 3 दिवसीय ऐतिहासिक आयोजन के पहले दिन बाइक रैली, दूसरे दिन उज्जैन महाकाल यात्रा के तर्ज पर श्री कृष्ण पालकी यात्रा 21 झोंकियों के साथ विशाल शोभायात्रा के बाद अब 01 सितम्बर दिन रविवार को विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम व यादव गौरव सम्मान के साथ विशाल यादव मेला का आयोजन पद्मश्री गोविंद राम



अडिटोरियम राजनांदगांव में रखा गया है जिसमें जिला के साथ-साथ पड़ोसी जिला के भी स्वजातीय यादव बंधुगण अपनी उपस्थिति देकर यादवी एकता का परिचय देंगे।

निर्मल कर अडिटोरियम राजनांदगांव में रखा गया है जिसमें जिला के साथ-साथ पड़ोसी जिला के भी स्वजातीय यादव बंधुगण अपनी उपस्थिति देकर यादवी एकता का परिचय देंगे।

इस आयोजन के मुख्य अतिथि प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व मुख्यमंत्री डॉ.रमन सिंह करेंगे। विशेष अतिथियों में संतोष पांडे सांसद, मधुसूदन यादव पूर्व सांसद, पद्मश्री फुलबाशन यादव पवन दामा समाज सेवी आदि भी उपस्थिति देंगे। विशाल यादव मेला के आयोजन में बच्चों के लिए 5 प्रकार के झूलों का लगना चालू हो गया है जिसमें मिकी माउस, जंपिंग, डेलवा गोल झूला, राइचुली झूला आदि होंगे। यह अपने आप में एक अलग आयोजन होगा। बच्चों के खिलौने, बेलून, मिठाई आदि भी मिलेंगे।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 11 बजे भगवान श्री राधा कृष्ण की विधिवत पूजा अर्चना के साथ होगा। इसी के साथ मुंदरि सांस्कृतिक संस्था व स्वजातीय बच्चों के विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे व इसी मंच से कलाकर यादव गौरव से सम्मानित भी होंगे। उक्त जानकारी

पटेल इलेक्ट्रिकल्स एंड सोलर

हमारी सेवाएं

संशोधित कर्मियों द्वारा सर्वोत्तम सेवाएं प्रदान की जाती हैं।

अब दिल नहीं बिजली बिल खत कीजिये

888999485, 9201681616

गोतीनाथ मंदिर भरकापारा राजनांदगांव 491441

दैनिक दावा

मासिक बिल

माह- अगस्त 2024

प्रति दिन	दर	रशि
28 दिन	4/-	104/-
1 दिन	5/-	5/-
4 दिन अवकाश		
योग		109/-

त्यारस्थापक

किराये से देना है

कंचनबाग में सर्वसुविधायुक्त दो मंजिला भवन ऑफिस के लिये किराये से देना है। 3 बेडरूम, किचन, 3 हाल अटैच लेटबाथ गार्डन सहित पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है। किराये से देना है।

-: संपर्क करें :-
मो. 8319936007

आवश्यकता है

रात्रिकालिन चौकीदार एवं हेल्पर की आवश्यकता है।

-: संपर्क करें :-
दैनिक दावा
बलदेव बाग, राजनांदगांव
मो. 9300414726

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव

श्रमापन श्रमाशेह

दिनांक - 1/09/2024, दिन : रविवार, स्थान : मुनिस्पल स्कूल गांधी सभागृह, राजनांदगांव

-: मुख्य अतिथि :- **मान.भूपेश बघेल जी** का
पूर्व मुख्यमंत्री, छ.ग.शासन

स्वागत... अभिनंदन... वंदन...

मान.भूपेश बघेल जी
पूर्व मुख्यमंत्री, छ.ग.शासन

मन्ना यादव
- जिला अध्यक्ष -
कोसरिया यादव महासभा, राज.

विनीत : नगर जिला कोसरिया यादव समाज, राजनांदगांव